R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 15
अंक : 130
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
शनिवार, 17 जनवरी, 2026

जुनून है सच लिखने का

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

प्रयागराज, लखनऊ, ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी, आजमगढ़ व गोरखपुर से प्रसारित

डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/रजि0/एडी0/119/15-17

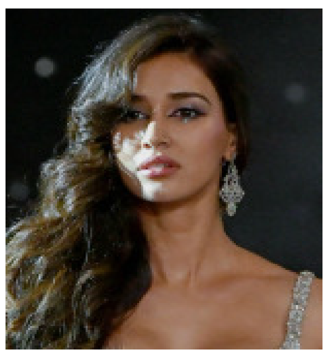

3 ईंट भट्ठे पर बार-बार चोरी पुलिस की चुप्पी से ... 5 बीएमसी चुनाव में जीत के लिए फडणवीस-शिंदे ... 7 नूपुर सेनन की शादी में दिशा पटानी ने बटोरीं ...

संजय कपूर की करोड़ों की संपत्ति पर अधिकार की लड़ाई, प्रिया कपूर ने सुप्रीम कोर्ट से से मांगे गोपनीय अभिलेख

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। प्रिया कपूर ने यह दावा करते हुए कि वह दिवंगत उद्योगपति संजय कपूर की कानूनी रूप से विवाहित पत्नी और प्रत्यक्ष कानूनी उत्तराधिकारी हैं, सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर संजय कपूर और अभिनेत्री करिश्मा कपूर के तलाक की कार्यवाही से संबंधित 2016 की हस्तांतरण याचिका के संपूर्ण अभिलेखों की प्रमाणित प्रतियां मांगी हैं। अपनी याचिका में उन्होंने कहा है कि दिल्ली उच्च न्यायालय में लंबित उत्तराधिकार मामलों में इन गोपनीय अदालती अभिलेखों तक पहुंच की उन्हें वास्तविक रूप से आवश्यकता है और मृतक की संपत्ति से संबंधित उनके कानूनी अधिकारों की रक्षा के लिए यह आवश्यक है।

आवेदन के अनुसार, संजय कपूर ने मुंबई के पारिवारिक न्यायालय से दिल्ली में तलाक का मामला स्थानांतरित करने के लिए 2016 में स्थानांतरण याचिका दायर की थी। इन कार्यवाही के लंबित रहने के दौरान, संजय कपूर और करिश्मा कपूर ने सौहार्दपूर्ण ढंग से अपने विवादों को सुलझा लिया, जिसके बाद सर्वोच्च न्यायालय ने 8 अप्रैल, 2016 को दोनों पक्षों के बीच सहमति की विस्तृत शर्तों को दर्ज करने के बाद याचिका का निपटारा कर दिया। प्रिया कपूर ने सर्वोच्च न्यायालय को सूचित किया है कि संजय कपूर का 12 जून, 2025 को इंग्लैंड में निधन हो गया।

उन्होंने 3 अप्रैल, 2017 को मृतक से हुए अपने विवाह का हवाला देते हुए अपना अधिकार जताया है और कहा है कि वे मृतक याचिकाकर्ता की संपत्ति और कानूनी मामलों में प्रत्यक्ष रूप से रुचि रखती हैं और इसलिए अदालत के रिकॉर्ड की प्रमाणित प्रतियां प्राप्त करने की हकदार हैं। याचिका में सर्वोच्च न्यायालय रजिस्ट्री को स्थानांतरण याचिका (सिविल) संख्या 214/2016 की संपूर्ण दस्तावेज़ पुस्तिका की प्रमाणित प्रति जारी करने का निर्देश देने की मांग की गई है, जिसमें दलीलें, अनुलग्नक, आदेश, समझौता दस्तावेज और अन्य संबंधित आवेदन शामिल हैं। इसमें कहा गया है कि चूंकि प्रिया कपूर मूल कार्यवाही में पक्षकार नहीं थीं, इसलिए उन्हें सर्वोच्च न्यायालय के नियमों और कार्य-प्रणालियों के अनुसार हलफनामे के साथ औपचारिक आवेदन के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होने की सलाह दी गई है।

पिछले 11 वर्षों में एक नई खेल संस्कृति विकसित हुई : मुख्यमंत्री योगी

गोरखपुर **(एजेंसी)**। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि 2014 से पहले खेल और खेलकूद प्रतियोगिता सरकार के एजेंडे का हिस्सा नहीं होते थे, लेकिन पिछले 11 वर्षों में एक नई खेल संस्कृति विकसित हुई है। गोरखपुर स्थित दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में आयोजित पूर्वी क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय (महिला) बास्केटबॉल प्रतियोगिता का उद्घाटन करने के बाद समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा '2014 से पहले खेल और खेलकूद प्रतियोगिता सरकार के एजेंडे का हिस्सा नहीं होते थे। लोग मानते थे कि उनकी प्राथमिकता खेल नहीं है। इसकी उपेक्षा होती थी।' उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधा न होने से खिलाड़ी पलायन करते और निराश रहते थे, लेकिन देश के अंदर 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नेतृत्व संभाला और नई खेल संस्कृति विकसित की जो देखते ही बनती है।' योगी ने कहा कि मोदी ने देशवासियों को 'खेलो इंडिया खेलो' के माध्यम से जोड़ा और सशक्त राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा दी।

शुक्रवार को गोरखपुर में पूर्वी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय बास्केटबॉल महिला प्रतियोगिता की शुरुआत के मौके पर 14 राज्यों के 31 विश्वविद्यालय के प्रतिभागी जुड़े। पांच दिनों तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में आए प्रतिभागियों और उनके कोच आदि का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री ने भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय को धन्यवाद दिया, जिसने इसके लिए गोरखपुर विश्वविद्यालय का चयन किया।

दिल्ली में तय होगा मणिपुर का भविष्य! पूर्व मुख्यमंत्री हाईकमान से करेंगे मुलाकात

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्य इकाई के अध्यक्ष ए शारदा देवी शुक्रवार को नई दिल्ली के लिए रवाना हुए। फिलहाल निलंबित राज्य विधानसभा में सिंह भाजपा विधायक दल के नेता भी हैं। उन्होंने दिल्ली रवाना होने से पहले इंफाल हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से कहा, यह दौरा चुनावों से संबंधित है

मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह 16 जनवरी को नई दिल्ली के लिए रवाना हुए, जिससे राज्य मंज राष्ट्रपति शासन की समाप्ति के बाद लोकप्रिय सरकार बहाल करने की संभावनाओं को लेकर अटकलें तेज हो गईं। मीडियाकर्मियों द्वारा उनकी यात्रा के उद्देश्य के बारे में पूछे जाने पर, सिंह ने संक्षिप्त उत्तर देते हुए कहा कि केंद्र सरकार बहुत जल्द कार्रवाई करेगी। मणिपुर में राष्ट्रपति शासन फरवरी में समाप्त होने वाला है, और राजनीतिक गलियारों में इस बात की अटकलें तेज हैं कि केंद्रीय शासन की अवधि बढ़ाए बिना ही लोकप्रिय सरकार बहाल की जा सकती है।

ये घटनाक्रम पिछले महीने नई दिल्ली में हुई एक बैठक की पृष्ठभूमि में सामने आए हैं, जहां केंद्रीय भाजपा नेताओं ने मणिपुर के सभी पार्टी विधायकों को, चाहे वे किसी भी समुदाय के हों, तलब किया था। लगभग सभी भाजपा विधायकों ने बैठक में भाग लिया, जिससे राज्य में सरकार गठन की उम्मीदें और मजबूत हुईं। हालांकि अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन सिंह की राष्ट्रीय राजधानी की यात्रा ने मणिपुर के भविष्य के राजनीतिक रोडमैप पर चर्चाओं को गति दी है। ।'' राष्ट्रीय राजधानी के लिए रवाना हुईं शारदा ने हालांकि संवाददाताओं से कोई बातचती नहीं की। इस बीच, भाजपा के एक पदाधिकारी ने कहा यह दौरा नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने से संबंधित है।'' इंफाल घाटी में रहने वाले मेइती समुदाय और पहाड़ियों में रहने वाले कुकी-ज़ो समूहों के बीच मई 2023 से हुई जातीय हिंसा में कम से कम 260 लोग मारे गए हैं और हजारों लोग बेघर हुए हैं। मणिपुर में इस समय राष्ट्रपति शासन लागू है। पिछले साल नौ फरवरी को तत्कालीन मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद 13 फरवरी, 2025 को राष्ट्रपति शासन लागू किया गया था।

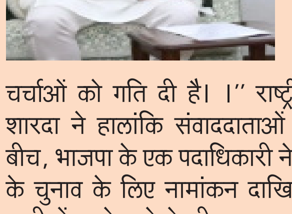

नगर निगम चुनावों में भाजपा की ऐतिहासिक जीत

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस बोले महाराष्ट्र में फिर चला 'मोदी मैजिक'

मुम्बई **(एजेंसी)**। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को महाराष्ट्र नगर निगम चुनावों में भाजपा की जीत की सराहना करते हुए कहा कि पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक बार फिर इतिहास रच दिया है। प्रधानमंत्री मोदी के अलावा, फडणवीस ने जीत का श्रेय केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन और सभी पार्टी कार्यकर्ताओं को दिया।

फडणवीस ने एक्स पर लिखा कि 2025-26 के नगर निगम चुनाव में भाजपा ने एक बार फिर इतिहास रच दिया! माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और माननीय केंद्रीय मंत्री जे. पी. नड्डा जी, माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमितभाई शाह, भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन जी के मार्गदर्शन और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विधायक रविंद्र चव्हाण तथा सभी पार्टी कार्यकर्ताओं के अथक प्रयासों से भाजपा ने राज्य में एक बार फिर ऐतिहासिक जीत हासिल की है।

फडणवीस के अनुसार, यह जीत प्रगति और विकास सुनिश्चित करने के भाजपा के दृष्टिकोण में जनता के विश्वास को दर्शाती है।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने गुरुवार को भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन को समर्थन देने के लिए मतदाताओं का आभार व्यक्त किया और कहा कि जनता ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उनके द्वारा किए गए कार्यों को स्वीकार किया है। शिंदे ने कहा कि जनादेश भ्रष्टाचार पर विकास की स्पष्ट प्राथमिकता को दर्शाता है और उन्होंने कहा कि अब मुंबई में एक 'त्रि-इंजन सरकार' होगी जो शहर के विकास की दिशा में काम करेगी।

शुक्रवार सुबह मतगणना शुरू होने के बाद, भारतीय जनता पार्टी और शिवसेना के महायुति गठबंधन ने मुंबई, पुणे, ठाणे, नवी मुंबई और नागपुर सहित 29 नगर निगमों में से 24 में बढ़त हासिल कर ली है। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) में रुझान के अनुसार भाजपा और शिवसेना का गठबंधन 227 वार्डों में से 116 में आगे चल रहा है। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना और राज ठाकरे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना, जिन्होंने गठबंधन के रूप में चुनाव लड़ा था, अधिकांश जिलों में पिछड़ रही हैं। रुझानों के अनुसार, महायुति गठबंधन ने बीएमसी में सत्ता हासिल करने के लिए आवश्यक 114 बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया है।

चुनाव से पहले पीएम मोदी की असम को बड़ी सौगात, अमृत भारत और काजीरंगा कॉरिडोर का देंगे तोहफा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार से शुरू होने वाले दो दिवसीय असम दौरे पर रहेंगे। एक अधिकारी के अनुसार, वे इस दौरान दो अमृत भारत ट्रेनों का शुभारंभ करेंगे और काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर की आधारशिला रखेंगे। 2026 के पहले छह महीनों में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले, प्रधानमंत्री मोदी का पूर्वोत्तर राज्य का यह एक महीने से भी कम समय में दूसरा दौरा होगा। 17 जनवरी की शाम को पहुंचने के बाद, प्रधानमंत्री शहर के अर्जुन भोगेश्वर बरुआ स्पोर्ट्स स्टेडियम में 10, 000 कलाकारों द्वारा प्रस्तुत बोडो लोक नृत्य 'बागुरुम्बा' देखेंगे। अगले दिन, मोदी 6, 957 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर की आधारशिला रखने के लिए कालियाबोर जाएंगे। वे डिब्रूगढ़-गोमती नगर (लखनऊ) और कामाख्या-रोहतक नामक दो अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को वर्चुअल रूप से हरी झंडी दिखाएंगे और कालियाबोर में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी 20 दिसंबर को दो दिवसीय असम दौरे पर आए थे, जहां उन्होंने गुवाहाटी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर नए टर्मिनल का उद्घाटन किया और असम के पहले मुख्यमंत्री गोपीनाथ बरदालोई की प्रतिमा का अनावरण किया, जिनके नाम पर हवाई अड्डे का नाम रखा गया है। उन्होंने डिब्रूगढ़ में 10, 601 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे अमोनिया-यूरिया संयंत्र की आधारशिला भी रखी। अपने पिछले दौरे के दौरान, मोदी ने गुवाहाटी और नामरूप में जनसभाओं को संबोधित किया, जिससे 2026 के असम विधानसभा चुनावों के लिए माहौल तैयार हुआ।

सुप्रीम कोर्ट ने खोल दी पोल, आई-पीएसी मामले पर भाजपा का ममता सरकार पर बड़ा हमला

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को सुप्रीम कोर्ट द्वारा नोटिस जारी किए जाने पर बिहार भाजपा अध्यक्ष संजय सरवागी ने शुक्रवार को कहा कि सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणियों ने ममता बनर्जी सरकार की असलियत उजागर कर दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में कानून-व्यवस्था चरमरा गई है और पुलिस जांच में हस्तक्षेप किया जा रहा है।

एएनआई से बात करते हुए सरवागी ने कहा, 'सुप्रीम कोर्ट ने ममता बनर्जी सरकार की सच्चाई उजागर कर दी है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ तौर पर कहा है कि अराजकता का माहौल रहेगा। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियां खुद बंगाल की कानून-व्यवस्था की स्थिति को दर्शाती हैं... मुख्यमंत्री खुद आईपीएसी जांच में हस्तक्षेप करती हैं और फाइलें ले जाती हैं।सुप्रीम कोर्ट के बयान से साफ पता चलता है कि वहां किस तरह की अराजक स्थिति है।

इस बीच, पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने भी इस बात पर जोर दिया कि सभी को कानून का पालन करना चाहिए। पत्रकारों से बात करते हुए बोस ने कहा, अदालतें हैं। सभी को कानून का पालन करना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने जो कहा है, वह अंतिम है।

यह टिप्पणी गुरुवार को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और राज्य के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दायर याचिकाओं पर नोटिस जारी करने के बाद आई है। ईडी ने आरोप लगाया है कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत राजनीतिक परामर्श फर्म आई-पीएसी के परिसर में तलाशी अभियान के दौरान राज्य के अधिकारियों ने हस्तक्षेप किया था। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति एजी मसीह की पीठ ने कहा कि यदि व्यापक संवैधानिक प्रश्नों से जुड़े मुद्दों को अनसुलझा छोड़ दिया जाए, तो इससे विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा शासित राज्यों में अराजकता की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

न्यायालय ने टिप्पणी की, 'देश में कानून के शासन का पालन सुनिश्चित करने और प्रत्येक अंग को स्वतंत्र रूप से कार्य करने की अनुमति देने के लिए, इस मुद्दे की जांच करना आवश्यक है ताकि अपराधियों को किसी विशेष राज्य की कानून प्रवर्तन एजेंसियों की आड़ में संरक्षण न मिल सके।

विक्रमादित्य के समर्थन में उतरे रोहित ठाकुर

मुख्यमंत्री से की अधिकारियों का मुद्दा सुलझाने की अपील

शिमला **(एजेंसी)**। हिमाचल प्रदेश के शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने शुक्रवार को लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री विक्रमादित्य सिंह का पुरजोर समर्थन करते हुए पिछले तीन वर्षों में उनके कार्यों की सराहना की और मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से पीडब्ल्यूडी मंत्री द्वारा हाल ही में उठाए गए अधिकारियों से संबंधित मुद्दे को हल करने का आग्रह किया। शिमला में मीडिया और बाद में एएनआई से बात करते हुए ठाकुर ने कहा कि विक्रमादित्य सिंह ने अपने तीन साल के कार्यकाल में एक कुशल और सफल मंत्री के रूप में खुद को साबित किया है। उन्होंने कहा कि पीडब्ल्यूडी मंत्री द्वारा अधिकारियों के संबंध में व्यक्त की गई चिंताओं का समाधान मुख्यमंत्री स्तर पर बातचीत के माध्यम से किया जाना चाहिए।

ठाकुर ने कहा मैं इस मुद्दे पर पहले ही बोल चुका हूं। हिमाचल प्रदेश के विकास में राज्य के अधिकारियों की तरह ही राज्य के बाहर के अधिकारियों, जिनमें अखिल भारतीय कैडर के अधिकारी भी शामिल हैं। उन्होंने भी बहुमूल्य योगदान दिया है। जहां तक नकारात्मक सोच की बात है, ऐसे अधिकारी और लोग राज्य के भीतर और बाहर दोनों जगह पाए जा सकते हैं। इसे सामान्यीकृत नहीं किया जा सकता।

विक्रमादित्य सिंह की टिप्पणी का समर्थन करते हुए शिक्षा मंत्री ने कहा, 'यह सच है कि हर जगह कुछ ऐसे अधिकारी होते हैं जो मुश्किलें पैदा करते हैं, चाहे वे राज्य सेवाओं के हों या अखिल भारतीय सेवाओं के। विक्रमादित्य सिंह हमारे युवा मंत्री हैं और उनका कार्यकाल कारगर रहा है। उनके बयान से जो भी शंकाएं या चिंताएं उत्पन्न हुई हैं, उन्हें मुख्यमंत्री द्वारा स्पष्ट किया जाना चाहिए, जो हमारी सरकार के मुखिया हैं, ताकि मामला और न बढ़े। इससे पहले दिन में, ठाकुर ने शिमला से विशेष आवश्यकता वाले 96 बच्चों के लिए एक विशेष शैक्षिक यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। समग्र शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित पांच दिवसीय इस शैक्षिक यात्रा के तहत छात्र अमृतसर जाएंगे।

ठाकुर ने कहा कि आज हमारे शिक्षा विभाग के समग्र शिक्षा विभाग के माध्यम से लगभग 96 बच्चे अमृतसर जा रहे हैं। ये बच्चे राज्य के विभिन्न जिलों से आए हैं और सभी विशेष आवश्यकता वाले बच्चे हैं। उन्हें शिक्षा से परिचित कराने के लिए ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। पहले भी इसी तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं। इसी सोच के साथ हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हमारे विशेष बच्चे किसी भी विषय में पीछे न रह जाएं।

पंजाब राजनीति में भाजपा का बड़ा दांव, दिग्गज नेता जगमीत बराड़ ने समर्थकों संग थामा 'कमल'

चण्डीगढ़ **(एजेंसी)**। आज हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू की उपस्थिति में प्रमुख नेता जगमीत सिंह बराड़, उनके भाई और पूर्व विधायक रिपजीत सिंह बराड़, पूर्व ओएसडी चरणजीत सिंह बराड़ और पूर्व ओएसडी ओंकार सिंह भाजपा में शामिल हो गए। इस अवसर पर पंजाब भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़, कार्यवाहक अध्यक्ष अश्वनी शर्मा और विनीत जोशी भी उपस्थित थे। 67 वर्षीय जगमीत बराड़ के अलावा, उनके भाई रिपजीत सिंह बराड़ (पूर्व विधायक), ओंकार सिंह सिद्धू (पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के पूर्व ओएसडी) और चरणजीत सिंह बराड़ (एसएडी प्रमुख सुखबीर सिंह बादल के पूर्व ओएसडी) भी भाजपा में शामिल हो गए हैं।

जगमीत बराड़ ने 2015 में कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था, जिससे पार्टी के साथ उनका तीन दशक से अधिक पुराना नाता टूट गया था। उन्होंने 2016 में लोक हित अभियान नामक अपनी पार्टी शुरू की थी। वह 2016 में ही तृणमूल कांग्रेस में शामिल हुए और पार्टी छोड़ने से पहले 2018 तक इसकी राज्य इकाई के अध्यक्ष रहे। जगमीत वर्ष 2019 में शिरोमणि अकाली दल में भी शामिल हुए थे। दिसंबर 2022 में, शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के नेता के रूप में उन्होंने घोषणा की थी कि उन्होंने पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, भाजपा के पंजाब इकाई के अध्यक्ष सुनील जाखड़, पंजाब भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष अश्विनी शर्मा और केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने भाजपा में शामिल हुए नेताओं का स्वागत किया। सैनी ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि पंजाब के लोगों ने अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार को सत्ता से बाहर करने का मन बना लिया है। उन्होंने कहा, 'सभी वर्ग इस सरकार से परेशान हैं। भाजपा पंजाब में अगली सरकार बनाएगी। लोगों ने अपना मन बना लिया है।

भगवंत मान सरकार पर निशाना साधते हुए सैनी ने कहा आम लोगों, व्यापारियों और अन्य वर्गों में डर का माहौल है। जब लोग घर से बाहर निकलते हैं तो उनके परिवार उनकी सुरक्षा को लेकर चिंतित रहते हैं। राज्य में भय का वातावरण बना हुआ है।' सैनी ने कहा कि यदि कोई पंजाब को आगे ले जा सकता है तो वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा ही है। हरियाणा का हवाला देते हुए उन्होंने किसानों सहित विभिन्न वर्गों के लिए भाजपा सरकार द्वारा उठाए गए कई कल्याणकारी कदमों का जिक्र किया और कहा कि उनकी पार्टी आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के विपरीत अपने वादों को पूरा करती है। उन्होंने कहा कि पंजाब के लोगों ने कांग्रेस शासन के दौरान जो कुछ हुआ उसे देखा और पार्टी अपने वादे पूरे करने में विफल रही। लोगों ने आप को मौका दिया, लेकिन उन्हें यह नहीं पता था कि वह भी कांग्रेस के रास्ते पर ही चलेगी। जाखड़ ने भी आप सरकार पर हमला करते हुए कहा कि पंजाब में कोई भी सुरक्षित महसूस नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा, 'लोग भाजपा को बड़ी उम्मीद के साथ देख रहे हैं, लोग मजबूत नेतृत्व चाहते हैं।

बागेश्वर बाबा ने की संघ की तारीफ, बोले- आरएसएस न होता तो आज हिंदू नहीं बचा होता

छतरपुर **(एजेंसी)**। छतरपुर जिले के बड़ामलहरा में आयोजित हिंदू सम्मेलन के दौरान बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने बड़ा बयान दिया है। आरएसएस के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम में उन्होंने संघ की सराहना करते हुए कहा कि अगर भारत में आरएसएस न होता, तो आज हिंदू नहीं बचा होता। उन्होंने कहा कि आज हिंदुओं को एकजुट होना पड़ेगा। एकजुट होंगे तभी हिंदू राष्ट्र का निर्माण होगा। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों का जिक्र करते हुए महाराज ने चेतावनी दी कि यदि हिंदू आज एकजुट नहीं हुए, तो आने वाले समय में यहां भी बांग्लादेश जैसे हालात पैदा हो सकते हैं। उन्होंने सनातनियों से जातिवाद छोड़कर एक होने का आह्वान किया। इस सम्मेलन में हजारों की संख्या में श्रद्धालु और हिंदू संगठनों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

बता दें कि इससे पहले पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने जयपुर में सनातन को लेकर बड़ा बयान दिया था। उन्होंने दावा किया कि जिन्हें वेदों का ज्ञान नहीं होगा, उनके बच्चे भविष्य में 'जावेद और नावेद' बनेंगे। बागेश्वर बाबा ने इस दौरान वेद विद्या के प्रचार-प्रसार को लेकर बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि बागेश्वर धाम में गुरुकुल खोले जाएंगे। ताकि उसमें वेदों का ज्ञान दिया जाए। उन्होंने कहा कि भोजन एक दिन तक, पानी कुछ घंटों तक साथ देता है, लेकिन विद्या जीवन भर साथ रहती है।

जिलाधिकारी ने की शिक्षा विभाग एवं समाज कल्याण विभाग के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा

कार्यदाई संस्थाओं को निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ समयबद्ध पूर्ण कराने के निर्देश

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने उदयन सभागार में शिक्षा विभाग एवं समाज कल्याण विभाग के निर्माणाधीन परियोजनाओं के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

ज्ञात हो कि जिलाधिकारी ने बेसिक शिक्षा विभाग की मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालय के निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा के दौरान अपेक्षित प्रगति न पाए जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए कार्यदायी संस्था सी.एन.डी.एस. को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण कार्य में प्रगति सुनिश्चित किया जाय। उन्होंने मुख्यमंत्री अभ्युदय विद्यालय की समीक्षा के दौरान निर्माण कार्य में 60 प्रतिशत ही प्रगति पाए जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए अधिशासी अभियंता, यू.पी.सी.एल. डी.एफ. को तेजी से प्रगति लाते हुए समयबद्ध निर्माण कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने निर्माण कार्य की तकनीकी जॉच कराने के भी निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कस्तूरबा गॉधी आवासीय बालिका विद्यालयों में एकेडमिक ब्लॉक एवं छात्रावास के निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा के दौरान अधिशासी अभियंता, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग ने अवगत कराया कि निर्माण कार्य 15 फरवरी तक पूर्ण करा लिया जाएगा।

उन्होंने कस्तूरबा गॉधी आवासीय बालिका विद्यालयों में अतिरिक्त कक्षा-कक्ष के निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा के दौरान अपेक्षित प्रगति न पाए जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए अधिशासी अभियंता, यू.पी.सी.एल. डी.एफ. को कारण बताओ नोटिस जारी करने के साथ ही 03 सदस्यीय-अपर जिलाधिकारी (न्यायिक), वरिष्ठ कोषाधिकारी व अधिशासी अभियंता लो.नि.वि. की टीम गठित कर टीम द्वारा भौतिक सत्यापन कराकर रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने राजकीय आश्रम पद्यति विद्यालयों-करारी व भरसवां में ट्रॉजिट हॉस्टल आदि के निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा के दौरान कार्यदायी संस्था को निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने जिला समाज कल्याण अधिकारी को नियमित रूप से निर्माण कार्यों का पर्यवेक्षण करने के भी निर्देश दिए। उन्होने राजकीय महाविद्यालय, मूरतगंज के निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा के दौरान कार्यदायी संस्था को निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ समयबद्ध पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

स्वामी विवेकानंद के सपनों को साकार करेगा हमारे भारत का युवा - मनोज प्रचारक

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय मंझनपुर कौशाम्बी में वित्त नियंत्रक रविन्द्र सिंह की अध्यक्षता और हरिओम सिंह प्राचार्य चिकित्सा महाविद्यालय के नेतृत्व में मुख्य वक्ता मनोज, पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र और विभाग प्रचारक ओम प्रकाश ने दीप प्रज्वलन कर गोष्ठी का शुभारंभ किया।

ज्ञात हो कि संचालन डॉ राकेश ने किया। प्राचार्य ने कहा कि अपने उज्ज्वल चरित्र से ही अपने करियर का निर्माण होता है और इससे ही हमारा देश भी महान बनेगा। शिक्षा से ही आप जीवन में सब कुछ हासिल कर सकते हैं। हमारे कॉलेज के बच्चे समाज को नई दिशा देने का कार्य करें। वित्त नियंत्रक रविन्द्र सिंह ने कहा कि विश्व में सनातन धर्म ही सर्वश्रेष्ठ है, गुलामी के काल में सच्चा योगदान स्वामी ने अपने देश के लिए किया। वसुधैव कुटुंबकम् की भावना हमारे देश की है। इसी क्रम में मुख्य वक्ता मनोज ने कहा जो राष्ट्र और देश विरोधी गतिविधियों को रोक कर राष्ट्र निर्माण में मोड़ दे और भारत माता की चहुंओर जय जयकार करवाने लगे वो युवा है। युवा वो है जो जाति, मत पंथ से ऊपर उठकर सम्पूर्ण सनातन की सेवा के कार्य में अपना जीवन लगा दे वो युवा है। इसीलिए स्वामी विवेकानंद कहते हैं कि 'उठो, जागो और तब तक मत रुको, जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए।' आज महान दार्शनिक, युवाओं के प्रेरणास्त्रोत और भारतीय संस्कृति को विश्व पटल पर गौरवान्वित करने वाले स्वामी विवेकानंद हमारे प्रेरणा स्रोत हैं। मैं समस्त क्षेत्रवासियों,

ऊर्जावान युवाओं को हार्दिक बधाई और ढेरों शुभकामनाएँ देता हूँ। स्वामी विवेकानंद के विचार केवल शब्द नहीं, बल्कि जीवन जीने का मार्ग हैं। उनका मानना था कि किसी भी राष्ट्र की असली शक्ति वहाँ के युवाओं के चरित्र और उनके संकल्पों में निहित होती है। आज का दिन हमें यह याद दिलाने का है कि यदि हम अपनी ऊर्जा को सही दिशा में लगाएं, तो हम न केवल अपना बल्कि अपने समाज और देश का भविष्य बदल सकते हैं। आइए, आज के इस पावन अवसर पर हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि स्वामी के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करेंगे, समाज में सकारात्मक बदलाव लाएंगे और एक सशक्त व आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करेंगे।

हमारे युवाओं का जोश, जज्बा, देशभक्ति, ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा, शिक्षा के प्रति लगन, सामूहिक संगठित शक्ति जो राष्ट्र के लिए समर्पित हो, वही काम आने वाली है और यही हमारी असली पूंजी है। इस कार्यक्रम में विभाग प्रचारक ओम प्रकाश, जिला प्रचारक शिव प्रसाद, संजय जायसवाल, राजेंद्र, अश्वनी, ऋषभ, शिव कुमार, विजय अंतरा और सैकड़ों प्रशिक्षु चिकित्सक पूरे समय उपस्थित रहें।

दहेज हत्या मामले में 2 अभियुक्त गिरफ्तार

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। थाना चरवा पुलिस टीम ने दहेज हत्या से संबंधित मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए दो वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है।

यह गिरफ्तारी 14 जनवरी 2026 को थाना चरवा में दर्ज किए गए एक मामले के क्रम में हुई है। प्रार्थी ब्रिजेन्द्र कुमार पुत्र रामलाल निवासी नसीरपुर, थाना संदीपनघाट, जनपद कौशाम्बी ने तहरीर दी थी कि उनकी बहन को ससुरालजनों द्वारा अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित किया जाता था। दहेज न मिलने पर ससुरालीजनों ने उनकी बहन को मारकर रस्सी से लटका दिया।

इस तहरीर के आधार पर थाना चरवा पर मु0अ0सं0 09/26, धारा 80(2)/85 बीएनएस व 3/4 डीपी एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया था। शुक्रवार को थाना चरवा पुलिस टीम ने मुखबिर खास की सूचना पर मुकदमा उपरोक्त से संबंधित दो वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्तों में दिलीप कुमार पुत्र राम प्रताप और राम प्रताप पुत्र स्व0 राम कुंवारे, दोनों निवासी चपहुआ, थाना चरवा, जनपद कौशाम्बी शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्तों को माननीय न्यायालय भेजा जा रहा है।

जिलाधिकारी ने जाम की समस्या के समाधान के लिए अधिकारियों को दिए दिशा-निर्देश

कौशाम्बी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने सैनी चौराहे पर जाम की समस्या के समाधान एवं यातायात की व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाए जाने के दृष्टिगत मौके पर भ्रमण कर वस्तुस्थिति का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने भ्रमण के दौरान जाम की समस्या के समाधान के दृष्टिगत उप जिलाधिकारी सिराथू एवं एन.एच.ए.आई. के अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करते हुए अतिक्रमण को हटवाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाय कि पार्किंग के लिए चिन्हित स्थल पर ही वाहन खड़ी हों, जिससे यातायात की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित हो सकें। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सिराथू योगेश कुमार गौड़ सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

जिलाधिकारी ने जल-जमाव की निकासी के लिए समाधान सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने नगर पालिका परिषद मंझनपुर के सरदार पटेल नगर स्थित सांई राम मन्दिर के पास जल-जमाव की समस्या के समाधान के दृष्टिगत मौके पर भ्रमण कर वस्तुस्थिति का जायजा लिया।

ज्ञात हो कि जिलाधिकारी के भ्रमण के दौरान अधिशासी अधिकारी प्रतिभा सिंह ने बताया कि जल-जमाव की समस्या के समाधान के लिए नाली का निर्माण कराया जाना आवश्यक है। नाली के निर्माण कार्य में समस्या आ रही हैं। जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी से कहा कि उप जिलाधिकारी से समन्वय कर जल-जमाव की निकासी के लिए समाधान सुनिश्चित किया जाय।

25 हजार के इनामी अनवर के घर कुर्की की मुनादी, पुलिस ने चस्पा किया नोटिस

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। गौकशी के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे 25 हजार रुपये के इनामी अभियुक्त अनवर के खिलाफ कौशाम्बी पुलिस और प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। शुक्रवार को पुलिस टीम ने आरोपी के पैतृक गांव में मुनादी कराते हुए उसके घर पर नोटिस चस्पा किया। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि अगर अनवर जल्द हाजिर नहीं होता है, तो उसकी संपत्ति कुर्क कर ली जाएगी। यह कार्रवाई फरार अपराधियों के खिलाफ अभियान का हिस्सा है।

यह मामला संदीपन घाट थाना क्षेत्र के रसूलपुर बदले गांव से जुड़ा है, जहां का निवासी अनवर गौकशी के एक मामले में आरोपी है और घटना के बाद से ही फरार चल रहा है। पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए उस पर 25 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया हुआ है।

पुलिस और प्रशासन की टीम ने गांव में जाकर ढोल पिटवाकर मुनादी कराई और स्थानीय लोगों को सूचना दी कि आरोपी अनवर को जल्द से जल्द पुलिस के सामने हाजिर होना होगा। साथ ही, पुलिस ने आरोपी के घर पर नोटिस भी चस्पा किया। इस संबंध में जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक (एसपी) राजेश कुमार ने बताया कि 'चरवा थाना क्षेत्र में कुछ दिनों पहले एक गौकशी की घटना हुई थी, जिसमें अनवर आरोपी है और वह फरार चल रहा है। उस पर 25 हजार का इनाम भी घोषित कर रखा है। उसकी गिरफ्तारी के लिए गांव में मुनादी कराई गई है और उसके घर पर नोटिस भी चस्पा कराई गई है। जल्द ही उसकी गिरफ्तारी की जाएगी।' एसपी ने यह भी स्पष्ट किया कि निर्धारित समय में हाजिर न होने पर आरोपी की संपत्ति कुर्की करने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

बानगंगा नदी बैराज पर अवैध बालू खनन पर प्रशासन सख्त, डीएम के निर्देश पर जांच टीम गठित

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जनपद के शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत बानगंगा नदी में हो रहे अवैध बालू खनन के मामले में जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। बानगंगा बैराज के समीप पश्चिम नदी के बीचों-बीच जेसीबी मशीन से खुलेआम किए जा रहे खनन की शिकायत सामने आने के बाद जिलाधिकारी सिद्धार्थ नगर शिवशरणप्पा जीएन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जांच टीम का गठन कर दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, खनन पट्टा किसी अन्य स्थान के नाम पर स्वीकृत है, जबकि खनन गतिविधियां दूसरे क्षेत्र में संचालित की जा रही थीं। यह स्थिति सीधे तौर पर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (ञऊ) के नियमों का उल्लंघन है और पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न कर रही थी।जिलाधिकारी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) को पूरे प्रकरण की जांच सौंपते हुए दोषियों के विरुद्ध सख्त विधिक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। प्रशासन की इस सक्रियता से अवैध खनन माफियाओं में हड़कंप मच गया है।स्थानीय ग्रामीणों ने प्रशासन की इस पहल का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई है कि इससे नदी के प्राकृतिक स्वरूप की रक्षा होगी और भविष्य में इस तरह की अवैध गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगेगी।

अब सभी की निगाहें जांच रिपोर्ट पर टिकी हैं, जिससे यह स्पष्ट होगा कि इस अवैध खनन के पीछे कौन-कौन जिम्मेदार हैं और उनके खिलाफ क्या कार्रवाई की जाती है।

हिंदू सम्मेलन के आयोजन से सनातन संस्कृति का होगा उत्थान - आलोकानंद

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूरे होने पर सिद्धार्थनगर जिले में हिंदू समाज के सामाजिक एवं सांस्कृतिक उत्थान को लेकर बांसी विधानसभा के तिलौली चौराहे पर स्थित दुर्गा मंदिर पर एक भव्य हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं एवं हिंदू जनमानस की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में समाज की एकता, संस्कृति और राष्ट्रहित को लेकर उत्साह का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम के दौरान जिला प्रचारक अवनीश को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया, जिनका पारंपरिक अंगवस्त्र भेंट कर भव्य सम्मान किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता धनपत यादव ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप अयोध्या धाम से पधारे आलोकानंद दास महाराज में उपस्थित रहीं। मंचासीन अतिथियों ने सामाजिक एकजुटता, धर्म, संस्कृति एवं राष्ट्र निर्माण पर अपने विचार व्यक्त किए। विशिष्ट अतिथि आलोकानंद दास महाराज ने अपने संबोधन में कहा कि हिंदू समाज की वास्तविक शक्ति उसकी एकता में निहित है। जब समाज संगठित होकर अपने मूल्यों के साथ आगे बढ़ता है, तब राष्ट्र भी सशक्त होता है। युवाओं को धर्म और संस्कृति के संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।जिला प्रचारक अवनीश ने कहा कि आज ऐसे कार्यक्रम समय की आवश्यकता हैं, जो समाज को जागरूक कर नई दिशा देते हैं।कार्यक्रम का संचालन राम किंकर मिश्रा ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनमानस का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा और संगठनात्मक मजबूती प्रदान करते हैं। कार्यक्रम में, डॉक्टर दशरथ चौधरी , विश्व नाथ पांडे, शुभम पाठक, रणजीत सिंह, राम चंदर मुंशी, डॉक्टर संजय गौतम, सुरेन्द्र चौधरी, भीम मिश्रा, दया शंकर पांडे , सभाजीत, राम प्रकाश, भोला मिश्रा, आकाश, आशुतोष सहित बड़ी संख्या में हिंदू जनमानस एवं महिलाएं उपस्थित रहीं, जिससे कार्यक्रम और भी भव्य एवं प्रभावशाली बन गया।

पुलिस ने दुष्कर्म के वांछित आरोपी को किया गिरफ्तार भेजा जेल

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत प्रशांत कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक के कुशल पर्यवेक्षण मे रोहनी यादव क्षेत्राधिकारी बाँसी के कुशल निर्देशन एवं मृत्युंजय पाठक प्रभारी निरीक्षक थाना बांसी मय टीम द्वारा मु0अ0सं0 007/2026 धारा 65(1), 351(3), 333 व 3/4 पास्को एक्ट थाना बांसी से सम्बन्धित अभियुक्त को ग्राम मधुकरपुर गांव के बाहर से विशाल श्रीवास्तव पुत्र त्रिलोकी लाल निवासी मधुकरपुर के प्रभारी निरीक्षक मृत्युंजय पाठक , हेड कांस्टेबल अमरनाथ यादव, हेड कांस्टेबल संतोष पांडे की टीम रफ्तार किया गया तथा आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने हेतु रवाना किया गया।

जिलाधिकारी ने माघ मेला में चलने वाले एक माह के मेले की व्यवस्था का निरीक्षण किया

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले की बांसी नगरपालिका परिषद द्वारा आयोजित 73वें ऐतिहासिक माघ मेला के सफल आयोजन के दृष्टिगत जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डा0 अभिषेक महाजन द्वारा रानी लक्ष्मी मोह घाट का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान श्राद्धालुओं की स्नान सुरक्षा व्यवस्था को प्राथमिकता देते हुए राप्ती नदी तट पर तैनात एनडीआरएफ टीम की तैयारियों को देखा। एनडीआरएफ के जवानों द्वारा नदी में उतरकर जल की गहराई, बहाव और बचाव की प्रक्रिया का लाइव प्रदर्शन किया गया, जिससे किसी भी आपात स्थिति से निपटने की तैयारियों का प्रदर्शन हुआ। इसके पश्चात मेला मैदान का भ्रमण कर व्यवस्थाओं की बिंदुवार जानकारी ली। उन्होंने मेला क्षेत्र में लगाए जा रहे बैरिकेडिंग, कंट्रोल रूम, पुलिस पिकेट, सीसीटीवी निगरानी और यातायात प्रबंधन की समीक्षा की। साथ ही अग्निशमन विभाग की तैयारियों, फायर टेंडर की उपलब्धता और आकस्मिक स्थिति में त्वरित कार्रवाई की योजना की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने नगरपालिका परिषद बांसी द्वारा की जा रही साफ-सफाई व्यवस्था, पेयजल, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था एवं मेला क्षेत्र में तैनात कर्मचारियों की संख्या के बारे में भी जानकारी प्राप्त की और निर्देश दिया कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि माघ मेला में व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई है। पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती के साथ-साथ महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा, खोया-पाया केंद्र, भीड़ नियंत्रण और रात्रि गश्त पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

निरीक्षण के दौरान सीएमओ, एसडीएम निखिल चक्रवर्ती, सीओ बांसी रोहिणी यादव, थाना कोतवाली बांसी प्रभारी निरीक्षक मृत्युंजय पाठक, ईओ बांसी जय प्रकाश यादव, बीडीओ बांसी कृतिका अवस्थी, व अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सम्मेलन, महिलाओं व बालिकाओं को किया गया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिलें के थाना शोहरतगढ़ क्षेत्र में मिशन शक्ति फेज 5.0 जन चौपाल सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं की सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना रहा।पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर अभिषेक महाजन के निर्देशानुसार तथा अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद एवं पुलिस क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी के कुशल पर्यवेक्षण में शोहरतगढ़ थाना प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह के नेतृत्व में यह कार्यक्रम शारदा पब्लिक स्कूल शोहरतगढ़ में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं एवं बालिकाओं को साइबर अपराध, महिला सुरक्षा, दहेज उत्पीड़न, पॉक्सो एक्ट तथा महिला संबंधी अपराधों से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई।साथ ही पीड़ित महिलाओं की काउंसलिंग की गई और मिशन शक्ति 5.0 के स्टीकर भी चस्पा किए गए।महिलाओं को मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सभी थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केंद्र के बारे में अवगत कराया गया जहां वे अपनी समस्याएं दर्ज करा सकती हैं। इसके अतिरिक्त विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई, जिनमें प्रमुख रूप से1090 वुमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 112 पुलिस हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 108 एम्बुलेंस, 101अग्निशमन, 14567 एल्डर हेल्पलाइन तथा 1930 साइबर हेल्पलाइन शामिल हैं।

कार्यक्रम में यातायात नियमों के पालन के प्रति भी जागरूक किया गया। इस दौरान प्रधानाचार्य अरविंद अग्रहरी, अध्यापिका आंचल वर्मा व पुलिस टीम में उप निरीक्षक राजकुमार यादव, हेड कांस्टेबल अविनाश सिंह, महिला कांस्टेबल उर्मिला देवी, शोभा भारती एवं अंबिका सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

सुपरफास्ट विशेष रेलगाड़ी के अतिरिक्त फेरों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित सुपरफास्ट विशेष रेलगाड़ी के अतिरिक्त फेरों के संचालन का निर्णय लिया गया है। जिसका विवरण निम्नानुसार है:-

04151/04152 कानपुर सेंट्रल-लोकमान्य तिलक (ट.) सुपरफास्ट (साप्ताहिक) विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी सं. 04151 कानपुर सेंट्रल-लोकमान्य तिलक (ट.)			गाड़ी सं. 04152 लोकमान्य तिलक (ट.)-कानपुर सेंट्रल	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
—	13:00	कानपुर सेंट्रल	15:45	—
14:00	14:02	फतेहपुर	14:15	14:17
14:45	14:47	सिराथू	13:33	13:35
15:03	15:05	भरवारी	13:15	13:17
16:40	16:45	प्रयागराज जं.	12:40	12:45
18:48	18:50	इभौरा	10:55	10:57
21:05	21:10	सतना	08:40	08:50
22:20	22:22	कटनी	07:25	07:30
23:30	23:40	जबलपुर	06:15	06:25
03:25	03:35	इटारसी	02:55	03:00
08:00	08:05	भुसावल	23:00	23:05
14:55	---	लोकमान्य तिलक (ट.)	---	17:15

- **गाड़ी सं. 04151: कानपुर सेंट्रल** से प्रत्येक शुक्रवार को दिनांक 30.01.2026 से 27.02.2026 तक • **गाड़ी सं. 04152: लोकमान्य तिलक (ट.)** से प्रत्येक शनिवार को दिनांक 31.01.2026 से 28.02.2026 तक
- **गाड़ी संरचना:** सामान्य श्रेणी-08, स्लीपर श्रेणी-09, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी-04, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी-01

नोट: ट्रेनों की समय-सारणी के सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 119/26(D)

ईंट भट्ठे पर बार-बार चोरी पुलिस की चुप्पी से ग्रामीणों में दहशत

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। थाना क्षेत्र के मेडुआ गांव में संचालित एक ईंट भट्ठे पर लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से इलाके में दहशत और आक्रोश का माहौल है। चोरों के हौसले इतने बुलंद हैं कि एक के बाद एक वारदात के बावजूद अब तक किसी भी मामले में पुलिस कार्रवाई नहीं हो सकी है।सराय इनायत थाना क्षेत्र के नसीरापुर गांव निवासी सौरभ सिंह पुत्र बेला सिंह कई वर्षों से मेडुआ गांव में आरडीएस ईंट उद्योग के नाम से ईंट भट्ठे का संचालन कर रहे हैं। पीड़ित के अनुसार 8 जनवरी 2026 की रात अज्ञात चोर ईंट भट्ठे से 5 हॉर्स पावर का डीजल पंपिंग सेट चोरी कर ले गए। इसके बाद 11 जनवरी 2026 की रात बदमाशों ने भट्ठे पर कार्यरत दो मजदूरों के चार महंगे मोबाइल फोन भी पार कर दिए।

भट्ठा संचालक का कहना है कि यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी चोर भट्ठे पर खड़े ट्रैक्टर और ट्रक से टूल्स, कपलिंग, बैटरी, गैस सिलेंडर व चूल्हा समेत अन्य सामान चोरी कर चुके हैं। लगातार हो रही घटनाओं से भट्ठा संचालक और मजदूरों में भय का माहौल है।पीड़ित सौरभ सिंह ने थरवई थाना में अज्ञात बदमाशों के खिलाफ लिखित तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

ज्योतिषपीठ शंकराचार्य के नेतृत्व में यात्रा के दूसरे दिन 170 शिविर में पहुँची 'गौ प्रतिष्ठा प्रेरणा यात्रा', संतों से किया संवाद

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। माघ मेला प्रयागराज में चल रही 'गौ प्रतिष्ठा प्रेरणा यात्रा निरंतर गतिशील है दूसरे दिन आज अत्यंत सफल एवं जनजागरणकारी रही।

यात्रा का शुभारंभ 10 बजे अक्षयवट मार्ग स्थित महात्यागी बाबा शिविर से हुआ । यात्रा के अंतर्गत आज कुल 170 शिविरों में पहुँचकर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी द्वारा संत समाज, तपस्वियों, संगठनों तथा श्रद्धालुओं से संवाद स्थापित किया गया तथा सनातन जीवन-पद्धति में गौ माता के स्थान, महत्व और संरक्षण पर विचार-विमर्श हुआ।

यात्रा के दौरान जगद्गुरु शंकराचार्य स्वयं अपने अनुनायीयों के साथ विभिन्न शिविरों में विराजमान संतों को गौ रक्षा हेतु प्रेरित किया। संवाद के उपरांत जगतगुरु शंकराचार्य जी ने स्पष्ट कहा कि– 'बिना गौ माता के हिन्दू धर्म की कल्पना नहीं कर सकते, वही हमारे धर्म, संस्कृति और परंपरा का मूल है।' उन्होंने आगे कहा कि गौ संरक्षण केवल

भावनात्मक विषय नहीं, बल्कि सभ्यता, कृषक-जीवन, आयुर्वेद और धर्म का आधार है।

अनेक शिविरों में उपस्थित संतों ने गौ आधारित कृषि, गौवंशीय उत्पाद, एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत की सांस्कृतिक आत्मा गौ माता से जुड़ी है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि गौ रक्षा को संकल्प से जोड़ा जाए, न कि केवल विचार से। यात्रा का समापन 2 बजे महावीर मार्ग स्थित सतुआ बाबा जी के शिविर में हुआ ।

राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी शैलेन्द्र योगिराज सरकार ने बताया कि आज की यात्रा में संतों, विचारकों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिनमें दंडी संन्यासी स्वामी प्रत्यक्चैतन्य मुकुंदानंद गिरी जी, स्वामी अप्रमेय शिवशाक्षत कृतानंद जी, पूर्व मंत्री महामंडलेश्वर कंप्यूटर बाबा, ब्रह्मचारी सहजानंद जी, ब्रह्मचारी तीर्थानंद जी, ब्रह्मचारी श्रवणानंद जी, अखिलेश ब्रह्मचारी, देवेन्द्र पांडे गोप जी, कमलेश कुकरेती, सक्षम सिंह योगी, जलयोद्धा आर्य शेखर जी, आचार्य मानव, संत भारत दास जी, राम त्रिपाठी जी, विमल कृष्ण जी, अंगद पांडे जी, आदेश सोनी, पियूष तिवारी सहित सैकड़ों भक्त उपस्थित रहे।

यात्रा के समापन पर मीडिया प्रभारी – शैलेंद्र योगीराज ने बताया कि– 'गौ प्रतिष्ठा प्रेरणा यात्रा का उद्देश्य केवल भावनात्मक उद्वेलन नहीं बल्कि समाज में कर्तव्यबोध जगाना है। आज 170 शिविरों में संवाद हुआ है और आने वाले दिनों में माघ क्षेत्र के प्रत्येक शिविर तक यह संदेश पहुँचाने का संकल्प है।' माघ मेला परिसर में यह यात्रा लगातार गतिशील रहेगी तथा आने वाले दिनों में संवाद, संकल्प एवं प्रेरणा का दायरा और व्यापक बनाने की योजना है।

मानव के लिए परम धर्म है निष्काम भक्ति : स्वामी ब्राह्मश्रम महराज

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। अखिल भारतीय दण्डी संन्यासी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पीठाधीश्वर स्वामी ब्राह्मश्रम महराज ने श्रीमदभागवद कथा के दूसरे दिन बताया कि मानव के लिए परम धर्म है कि वह ईश्वर की निष्काम भक्ति करें इससे उसे उन्नति के साथ मोक्ष की प्राप्ति करें। उन्होंने कथा में भगवान की शरणागति, उत्तरा के गर्भ में शिशु की रक्षा करना, परीक्षित को वरदान देने के प्रसंग पर विस्तार से कथा सुनाई। कथा के दौरान अन्य विविध प्रसंगों पर कथा सुनाई और लोगों को धर्म के प्रति जागरूक करते हुए जोडा। शिविर के व्यवस्थापक आचार्य कपिल शुक्ला ने बताया कि शिविर में माघी पूर्णिमा तक जलपान, चाय वितरण और भण्डारा चलता रहेगा।

देहदान कर विदा हुए कवि, आलोचक राजेंद्र कुमार

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। वरिष्ठ कवि, आलोचक और संस्कृतिकर्मी राजेंद्र कुमार का 83 वर्ष की अवस्था में निधन हो गया। उन्होंने एलनगंज स्थित अपने आवास पर गुरुवार रात करीब दो बजे अंतिम सांस ली। शुक्रवार को दोपहर में उनके पार्थिव शरीर को मेडिकल कॉलेज को सुपुर्द कर अंतिम विदाई दी गई। सालभर से कैंसर से लड़ते-इलाज कराते राजेंद्र कुमार आगरा, मुंबई और दिल्ली में रहे लेकिन अंत के दिनों में कर्मभूमि प्रयागराज आ गए। उनके निधन की सूचना मिलते ही प्रशंसकों, साहित्य प्रेमियों का तांता लग गया। उनकी इच्छा के अनुसार समयानुसार उनका देहदान किया गया। घर से मेडिकल कॉलेज तक उन्हें श्रद्धांजलि देने वालों में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के हिन्दी, उर्दू, अंग्रेजी विभागों के प्राध्यापक, छात्र-शोधार्थी, साहित्यकार, पत्रकार, तीनों लेखक संगठनों, कर्मचारी संघों और जिला प्रशासन के प्रतिनिधि, अधिवक्ता समाज के लोग शामिल रहे।

वह अपने पीछे दो बेटे-बहुओं का भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। 24 जुलाई 1943 को कानपुर में जन्मे राजेंद्र कुमार ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से मास्टर डिग्री और पीएचडी की डिग्री प्राप्त की थी। यहीं अध्यापन किया, हिंदी विभाग के

अध्यक्ष भी रहे। जन संस्कृति मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे राजेंद्र कुमार ने अभिप्राय, बहुवचन पत्रिकाओं और साही के बहाने, आलोचना का विवेक, प्रेमचंद की कहानियां, स्वाधीनता की अवधारणा और निराला, अमन बनाम आतंक पुस्तकों का संपादन किया। युवा काल में थियेटर से जुड़े और कई नाटकों में अभिनय किया। ऋण गुणा ऋण, लोहा-लक्कड़, उदासी का ध्रुपद, हर कोशिश एक बगावत है (कविता संग्रह), यथार्थ और कथार्थ, कविता का समय-असमय, आलोचना आसपास, साहित्य में सृजन के आयाम और विज्ञानवादी दृष्टि (आलोचना) उनकी प्रसिद्ध रचनाएं हैं। व्यापक साहित्यिक योगदान के लिए उन्हें उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान पुरस्कार, गणेशशंकर विद्यार्थी, सम्मान, कुंवरपाल सिंह स्मृति सम्मान, मीरा स्मृति सम्मान प्रदान किया गया।

पुरानी रंजिश में युवक की हथौड़े से हत्या, सड़क किनारे फेंका शव

प्रयागराज। पुरानी रंजिश के चलते युवक की बेरहमी से हत्या कर शव सड़क किनारे फेंक दिए जाने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना के विरोध में आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने करछना-कोहड़ार मार्ग पर चक्काजाम कर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। पुलिस के त्वरित हस्तक्षेप और आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद करीब दो घंटे में जाम समाप्त कराया गया। थाना क्षेत्र के भुंडा गांव निवासी 35 वर्षीय आशीष शर्मा दो भाइयों में सबसे बड़ा था और खेतीबाड़ी कर अपने दो बच्चों व परिवार का भरण-पोषण करता था। वह गुरुवार शाम करीब सात बजे बाइक से भड़ेवरा बाजार जाने की बात कहकर घर से निकला था। देर रात तक घर नहीं लौटने पर परिजन उसकी तलाश करते रहे। शुक्रवार सुबह करीब सात बजे धरवारा गांव के पास सड़क किनारे खून से लथपथ हालत में उसका शव मिला। करछना पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इधर, हत्या की खबर फैलते ही मृतक के परिजन और ग्रामीण आक्रोशित हो उठे और भुंडा मोड़ के पास करछना-कोहड़ार मार्ग जाम कर दिया। जाम से मार्ग के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। एसीपी सुनील कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और आक्रोशित लोगों को समझाया। परिजनों की मांग पर नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनकी गिरफ्तारी के बाद जाम समाप्त कराया गया। एसीपी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि मृतक के भाई मनीष शर्मा की तहरीर पर हलीम अली पुत्र हौशीर अली निवासी भुंडा व गुलाब विश्वकर्मा निवासी केचुहा और एक अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। दोनों नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पूछताछ में आरोपियों ने पुरानी रंजिश के चलते हथौड़े से सिर पर प्रहार कर हत्या किए जाने की बात कबूल की है।

मंडलायुक्त और पुलिस आयुक्त द्वारा कमर्शियल टेंट सिटी का किया उद्घाटन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। माघ मेला 2026 के दौरान प्रयागराज आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मेला प्रशासन निरंतर प्रयासरत है। इसी क्रम में मेला प्राधिकरण के तत्वाधान में प्रयागराज विकास प्राधिकरण द्वारा अरैल क्षेत्र में कमर्शियल टेंट सिटी का निर्माण किया गया है, ताकि यात्रियों को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और आरामदायक ठहराव की सुविधा मिल सके। यह टेंट सिटी माघ मेला में आने वाले श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए विकसित की गई है।

इस कमर्शियल टेंट सिटी का उद्घाटन आज मंडलायुक्त श्रीमती सौम्या अग्रवाल एवं पुलिस आयुक्त प्रयागराज जोगेंद्र कुमार द्वारा किया जाएगा। अरैल क्षेत्र में इस वर्ष पर्यटन विभाग एवं निजी ऑपरेटर्स के सहयोग से वेलनेस सेंटर एवं अन्य टेंट सिटी भी स्थापित की गई हैं, जो शिवालय पार्क एवं त्रिवेणी पुष्प के बीच स्थित हैं। इन सुविधाओं के माध्यम से श्रद्धालुओं को न केवल आवास बल्कि स्वास्थ्य एवं योग से जुड़ी सेवाएँ भी उपलब्ध कराई जाएँगी। इस अवसर पर अपर पुलिस आयुक्त अजयपाल शर्मा, मेलाधिकारी ऋषिराज, नगर आयुक्त साँई तेजा, अपर मेला अधिकारी दयानंद प्रसाद, सचिव विकास प्राधिकरण अजीत सिंह, उप मेलाधिकारी विवेक शुक्ला एवं अभिनव पाठक उपस्थित रहे।

सुरेश त्रिपाठी को उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ का प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित होने पर अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ द्वारा संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश त्रिपाठी के पुनः सर्व सहमति से प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित होने पर कर्नलगंज इंटर कॉलेज के सभागार में अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया अभिनंदन कार्यक्रम में जनपद के कोने-कोने से 500 से अधिक शिक्षक/प्रधानाचार्य उपस्थित हुए कार्यक्रम की अध्यक्षता और संचालन संगठन के जिलाध्यक्ष अनुज कुमार पांडेय ने किया अभिनंदन कार्यक्रम के साथ-साथ संगठन के संस्थापक तथा शिक्षक संघर्षों के नायक परम श्रद्धेय ओम प्रकाश शर्मा की पुण्यतिथि पर सभी ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा पुष्पांजलि अर्पित किया इस अवसर पर अपने संबोधन में सुरेश कुमार त्रिपाठी ने कहा परम श्रद्धेय ओम प्रकाश शर्मा का शिक्षक आंदोलन में योगदान अविस्मरणीय है उन्होंने शिक्षकों को उपलब्धियां की नवीन ऊंचाई तक पहुंचाया शिक्षकों ने मुझे जो यह प्रदेश अध्यक्ष का दायित्व दिया है मैं अपने पूरी क्षमता से शिक्षकों की अपेक्षाओं को पूरा करने का प्रयास करूंगा अपने संबोधन में जिलाध्यक्ष अनुज कुमार पांडेय ने कहा जनपद प्रयागराज के लिए गर्व की बात है कि सुरेश कुमार त्रिपाठी दूसरी बार संगठन के प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं जिला कार्यकारिणी सुरेश कुमार त्रिपाठी का अभिनंदन करके स्वयं गौरवान्वित महसूस कर रही है इस अवसर पर प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष देवेंद्र श्रीवास्तव, प्रधानाचार्य परिषद के जिला अध्यक्ष डॉ पी पी सिंह, संगठन के पूर्व जिला अध्यक्ष राम प्रकाश पांडे, जिला मंत्री जगदीश प्रसाद, कोषाध्यक्ष रविंद्र त्रिपाठी, उमाशंकर यादव , संगठन के वरिष्ठ नेता कुंज बिहारी मिश्रा प्रदेशीय उपाध्यक्ष डॉ मनोज मिश्रा , सदस्य प्रदेश कार्यकारिणी अनय प्रताप सिंह , वसीम अहमद सिद्दीकी , डॉक्टर सुयोग पांडे प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला मंत्री शिव बहादुर सिंह यादव अआदि ने अपने विचार व्यक्त किये।

यूपी बोर्ड ने कौशल आधारित शिक्षा की ओर बड़ा कदम उठाया

9वी, 11वीं में व्यवसायिक शिक्षा को अनिवार्य किए जाने की महत्वपूर्ण पहल शुरू

व्यवसायिक कोर्स का अनुमोदित पाठ्यक्रम विषय समितियों ने सचिव को सौपा

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उप्र माध्यमिक शिक्षा परिषद प्रयागराज (यूपी बोर्ड) शैक्षिक सत्र - 2026 से कक्षा 9 एवं कक्षा 11 में व्यवसायिक शिक्षा को अनिवार्य किए जाने की एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। इस क्रम में आईटी, आईटीएस, इलेक्ट्रॉनिक्स, एपेरल एवं ब्यूटी एंड वेलनेस विषयों के व्यवसायिक कोर्स का अनुमोदित पाठ्यक्रम विषय समितियों ने यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह को आज सौंप दिया।

इन सभी ट्रेड के अंतर्गत जॉब रोल आधारित पाठ्यक्रम के विकास के लिए विषय-विशेषज्ञों ने कई चरणों में अपर सचिव सत्येंद्र कुमार सिंह के निर्देशन एवं उपसचिव डॉ आनंद त्रिपाठी के संयोजन में बैठकों का आयोजन कर कार्य को सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया।

विशेषज्ञ समिति द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रम में वर्तमान तकनीकी आवश्यकताओं, उद्योग जगत की अपेक्षाओं तथा विद्यार्थियों की रोजगार क्षमता को केंद्र में रखते हुए व्यवहारिक, कौशल-आधारित एवं रोजगारोन्मुखी विषय-वस्तु को सम्मिलित किया गया है। यह पाठ्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों के अनुरूप विद्यार्थियों में कौशल विकास, आत्मनिर्भरता एवं व्यावसायिक दक्षता को प्रोत्साहित करेगा।

माध्यमिक शिक्षा परिषद का यह कदम विद्यालयी शिक्षा को रोजगार से जोड़ने, छात्रों को व्यवहारिक ज्ञान प्रदान करने तथा उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने की दिशा में एक सार्थक प्रयास है। परिषद द्वारा आगे अन्य व्यवसायिक ट्रेड्स के पाठ्यक्रम विकसित किए जाने का कार्य प्रगति पर है।

इन पाठ्यक्रमों को तैयार करने में पं0 सु0 श0 केंद्रीय व्यवसायिक शिक्षा संस्थान, भोपाल के सहयोग के साथ ही विभिन्न विषय विशेषज्ञों जिनमें संजीव कुमार आर्य, वरिष्ठ प्रशिक्षण अधिकारी, रा0और प्र0 संस्थान नैनी, वीरेंद्र नाथ शुक्ला, डॉ अदिति गोस्वामी, डॉ दिलीप सिंह, डॉ अविनाश पांडेय आदि ने योगदान दिया ।

परमार्थ निकेतन दर्शनार्थ आया पर्यटकों का दल, भारत का हर दिन हर क्षण स्वतंत्रता का पर्याय : स्वामी चिदानन्द सरस्वती

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज/ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन दर्शनार्थ आये अमेरिका से आये दल ने परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने भेंट का विभिन्न समसामयिक विषयों का चर्चा की।

आज अमेरिका में धार्मिक स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है, स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि भारत का हर दिन हर क्षण स्वतंत्रता का पर्याय है। भारत, विश्व की प्राचीनतम सभ्यताओं में से एक है, जहाँ धार्मिक स्वतंत्रता कोई आधुनिक अवधारणा नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति का मूल स्वभाव है। यहाँ 'एकं सद्विप्रा बहुधा वदन्ति' ऋग्वेद का यह उद्घोष स्वयं प्रमाण है कि सत्य एक है, पर उसे व्यक्त करने के मार्ग अनेक हैं। यही भारत की धार्मिक आत्मा है।

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 25 प्रत्येक नागरिक को धर्म को मानने, आचरण करने और प्रचार करने की स्वतंत्रता प्रदान करता है। यह अधिकार भारत को एक धर्मनिरपेक्ष, सहिष्णु और बहुलतावादी राष्ट्र बनाता है परंतु भारत की धार्मिक स्वतंत्रता केवल संविधान तक सीमित नहीं, वह शास्त्रों, उपनिषदों, पुराणों और पूज्य संतों व परंपराओं में गहराई से निहित है।

सनातन परंपरा अनुभव से सत्य को जानने की प्रेरणा देती है। उपनिषद कहते हैं 'आत्मानं विद्धि', स्वयं को जानो। यह आत्मज्ञान ही धर्म की सर्वोच्च अवस्था है। भगवद्गीता में श्रीकृष्ण स्पष्ट कहते हैं 'ये यथा मां प्रपद्यन्ते तांस्तथैव भजाम्यहम्' अर्थात् जो जिस भाव से मुझे प्राप्त करता है, मैं उसी भाव से उसे स्वीकार करता हूँ। यह श्लोक धार्मिक स्वतंत्रता की सबसे उच्च सनातन घोषणा है कि ईश्वर किसी एक पद्धति में सीमित नहीं।

भारत ने बौद्ध, जैन, सिख, इस्लाम, ईसाई, पारसी, यहूदी और अन्य सभी धर्मों को आश्रय दिया। जब विश्व के अनेक भागों में धार्मिक युद्ध चल रहे थे, तब भी भारत में विचारों का सहअस्तित्व था। आदि गुरू शंकराचार्य, कबीर, नानक, तुलसी, मीराबाई सभी ने अपने-अपने मार्ग से ईश्वर को पाया और समाज ने उन्हें स्वीकार किया।

स्वामी जी ने कहा कि भारत में कभी भी किसी पर बलपूर्वक धर्म परिवर्तन थोपने की सनातन परंपरा नहीं रही। यहाँ हमेशा संवाद रहा, संघर्ष नहीं; समन्वय रहा, संहार नहीं।

आज का भारत संवैधानिक रूप से धार्मिक स्वतंत्रता प्रदान करता है। सनातन धर्म हमें संदेश देता है कि 'सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः' सभी सुखी हों, सभी निरोग हों, और इन सब में न केवल मनुष्य बल्कि सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड समाहित है। यह प्रार्थना किसी एक धर्म के लिए नहीं, सम्पूर्ण मानवता के लिए है।

धार्मिक स्वतंत्रता का सही अर्थ यह नहीं कि हम केवल अपने धर्म की रक्षा करें, बल्कि यह कि हम दूसरे के विश्वास का भी सम्मान करें। शास्त्रों में धर्म को धारण करने योग्य कहा गया है, जो समाज को धारण करे, जो जोड़ दे, जो करुणा, संयम और विवेक सिखाए वहीं तो धर्म है।

स्वामी जी ने कहा कि भारत में धार्मिक स्वतंत्रता सिर्फ एक विचार नहीं, बल्कि आत्मा से आया एक संस्कार है। यहाँ धर्म व्यक्ति को बाँधता नहीं, उसे ऊँचा उठाता है। आज आवश्यकता है कि हम धार्मिक स्वतंत्रता को केवल अधिकार न मानें, बल्कि कर्तव्य भी समझें। कर्तव्य यह कि हम अपने विश्वास को जिएँ, पर दूसरों के विश्वास को भी सम्मान दें। यही भारत की सनातन चेतना है। यही भारत की वास्तविक धर्मनिरपेक्षता है। और यही वह मार्ग है जिससे भारत विश्व को यह सिखाता है कि धार्मिक स्वतंत्रता केवल कानून से नहीं, संस्कार से सुरक्षित रहती है। स्वामी जी धर्म के प्रति स्पष्ट विचार सुनाकर गद्गद् हुये विदेशी पर्यटक।

अक्षय सर हमेशा से मेरी इंस्पिरेशन रहे हैं : भरत अहलावत

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। ज़ी टीवी का शो 'जाने अनजाने हम मिले' अब एक हाई ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस के साथ दर्शकों की धड़कनें बढ़ाने वाला है। शो में 'राघव' के किरदार में भरत अहलावत और 'रीत' के रोल में आयुषी खुराना नजर आ रहे हैं। आने वाले एपिसोड्स में एक इंटेंस बाइक स्टंट सीक्वेंस दिखाया जाएगा, जो स्टोरीलाइन के बड़े हाइलाइट्स में से एक होने वाला है। इस ड्रामेटिक ट्रैक में राघव का एक भयानक एक्सीडेंट होगा, जिसके बाद वो अस्पताल में जिंदगी और मौत से जूझता नजर आएगा। शूटिंग से जुड़ी बातें शेयर करते हुए भरत ने बताया कि इस सीक्वेंस के लिए उन्होंने अपनी खुद की बाइक इस्तेमाल की, जिससे वो पूरी तरह कंट्रोल में रह सके, क्योंकि वो अपनी बाइक की हर डिटेल से अच्छी तरह वाकिफ हैं।

शो को लेकर भरत बताते हैं, 'ये बाइक स्टंट सीक्वेंस मेरे लिए एक शानदार एक्सपीरियंस रहा। अपने तरीके और अपने स्टाइल में ऐसे एक्शन सीक्वेंस करना वाकई बहुत यादगार था। हमारे डायरेक्टर सुमित सिरी और मैंने पहले से डिस्कस किया था कि हम एक्शन को अलग भी रखें और नैचुरल भी।

सम्पादकीय

ईरान में बढ़ता संकट, भारत की चिंता बढ़ी - हवाई क्षेत्र बंद, भारतीय फंसे, चाबहार दांव पर

ईरान संकट गहरा गया है। अमेरिका के साथ तनाव बढ़ने के बीच उसने व्यावसायिक विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र बंद कर दिए हैं। भारत के लिए यह संकट केवल एक दूरस्थ आंतरिक उथल-पुथल नहीं, बल्कि पश्चिम और मध्य एशिया में रणनीतिक, आर्थिक और भू-राजनीतिक हितों से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है। अमेरिका के साथ ईरान की कटुता को देखते हुए साफ है कि वहां के हालात बदतर होते गए हैं।

ऐसे में नई दिल्ली ने अपना राजनयिक दृष्टिकोण सतर्क और व्यावहारिक रखा। भारत ने ईरान के राजनीतिक नेतृत्व के साथ संपर्क बनाए रखा, ताकि रणनीतिक सहयोग को अल्पकालिक उथल-पुथल से बचाया जा सके। अब जबकि हालात बेकाबू हो रहे हैं, वहां फंसे दस हजार भारतीयों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।

विदेश मंत्रालय का कहना है कि उनके अधिकारी विभिन्न इलाकों में जाकर भारतीयों से संपर्क कर रहे हैं। उन्हें निकालकर स्वदेश लाने पर काम हो रहा है। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने कहा है कि वहां से अपने नागरिकों को निकालने की तैयारी पूरी है और शुक्रवार को पहला जत्था भारत पहुंच जाएगा।

ईरान में सत्ता प्रतिष्ठान जनता और सूचना दोनों पर नियंत्रण खोने से चिंतित है। न सिर्फ नागरिकों का सवाल है, वहां के पूरे परिदृश्य ने भारत की चिंता हर तरह से बढ़ा दी है। भारत की सबसे बड़ी चिंता चाबहार बंदरगाह परियोजना है, जिसमें उसने करोड़ों डालर का निवेश किया है। यह परियोजना पाकिस्तान को दरकिनार करते हुए अफगानिस्तान, मध्य एशिया, रूस और यूरोप के लिए एक रणनीतिक प्रवेश द्वार का काम करती है। ईरान में लंबे समय से जारी अस्थिरता इस परियोजना की समयबद्धता और रणनीतिक महत्त्व को खतरे में डालती है, विशेष रूप से चाबहार-जाहेदान रेलवे लाइन को।

अशांत माहौल चीन को अपना प्रभाव बढ़ाने का अवसर भी दे सकता है, जिससे भारत की क्षेत्रीय और समुद्री स्थिति पर सवाल खड़े हो सकते हैं। क्षेत्रीय समीकरण के अलावा भारत के ऊर्जा हित भी दांव पर हैं, क्योंकि ईरान में राजनीतिक उथल-पुथल क्षेत्रीय ऊर्जा समीकरणों को बाधित कर सकती है और भविष्य के सहयोग को सीमित कर सकती है।

नई चिंता ट्रंप प्रशासन द्वारा ईरान के साथ व्यापार करने वाले देशों पर 25 फीसद शुल्क से जुड़ी है। इस साल भारत ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है। वह वैश्विक दक्षिण की आवाज उठाता रहा है। इस नाते उसकी भूमिका अहम हो जाती है। इसमें भारत के लिए चुनौती यह है कि वह अपने रणनीतिक हितों की रक्षा करे और वह भी ईरान के आंतरिक संघर्षों या महाशक्तियों की प्रतिद्वंद्विता में उलझे बिना। तेहरान की स्थिति जटिल दिख रही है। भारत और ईरान के रिश्ते कभी विचारधारा से संचालित नहीं रहे।

ये संबंध भूगोल, पहुंच और क्षेत्रीय संतुलन की जरूरत से बने हैं। ईरान में किसी भी तरह का बड़ा झटका भारत की वर्षों से साधी गई व्यापारिक राहों, कूटनीतिक समीकरणों और सुरक्षा गणनाओं को प्रभावित कर सकता है। यदि स्थिति और बिगड़ती है तो तेल बाजार में अस्थिरता, कीमतों में उछाल और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ना तय है। साथ ही, शरणार्थियों की अप्रत्याशित भीड़ और क्षेत्रीय सुरक्षा समीकरणों में बदलाव की आशंका को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

शक्ति, रणनीति और शहादत का संगम है भारतीय सेना

प्रतिवर्ष 15 जनवरी को भारतीय सेना दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष हम 78वां सेना दिवस मना रहे हैं। सेना दिवस के अवसर पर पूरा देश थलसेना के अदम्य साहस, जांबाज सैनिकों की वीरता, शौर्य और उसकी शहादत को याद करता है। इस विशेष अवसर पर जवानों के दस्ते और अलग-अलग रेजीमेंट की परेड के अलावा झांकियां भी निकाली जाती हैं और उन सभी बहादुर सेनानियों को सलामी दी जाती है, जिन्होंने देश और लोगों की सलामती के लिए अपना जीवन न्यौछावर कर दिया। 15 जनवरी को ही यह दिवस मनाए जाने का विशेष कारण यही है कि 1899 में कर्नाटक के कुर्ग में जन्मे लेफ्टिनेंट जनरल केएम करियप्पा आज ही के दिन वर्ष 1949 में भारतीय सेना के पहले कमांडर-इन-चीफ बने थे। उन्होंने 15 जनवरी 1949 को ब्रिटिश जनरल फ्रांसिस बुचर से भारतीय सेना की कमान संभाली थी। जनरल फ्रांसिस बुचर भारत के आखिरी ब्रिटिश कमांडर-इन-चीफ थे।1953 में वे भारतीय सेना से सेवानिवृत्त हुए और 94 वर्ष की आयु में 1993 में उनका निधन हुआ। केएम करियप्पा दूसरे ऐसे सेना अधिकारी थे, जिन्हें फील्ड मार्शल की उपाधि दी गई थी।

भारतीय थल सेना का गठन ईस्ट इंडिया कम्पनी की सैन्य टुकड़ी के रूप में कोलकाता में 1776 में हुआ था, जो बाद में ब्रिटिश भारतीय सेना बनी और देश की आजादी के बाद इसे 'भारतीय थल सेना' नाम दिया गया। भारतीय सेना की 53 छावनियां और 9 आर्मी बेस हैं और चीन तथा अमेरिका के साथ भारतीय सेना दुनिया की तीन सबसे बड़ी सेनाओं में शामिल है। हमारी सेना संयुक्त राष्ट्र के शांति अभियानों में सबसे बड़ी योगदानकर्ताओं में से एक है। यह दुनिया की कुछेक ऐसी सेनाओं में से एक है, जिसने कभी भी अपनी ओर से युद्ध की शुरूआत नहीं की। भारतीय सेना के ध्वज का बैकग्राउंड लाल रंग का है, ऊपर बायीं ओर तिरंगा झंडा, दायीं ओर भारत का राष्ट्रीय चिह्न और तलवार हैं। सेना दिवस के अवसर पर सेना प्रमुख को सलामी दी जाती रही है लेकिन 2020 में पहली बार सेना प्रमुख के स्थान पर देश के प्रथम सीडीएस बने जनरल बिपिन रावत को सलामी दी गई थी।

देश की आजादी के बाद भारतीय सेना पांच बड़े युद्ध लड़ चुकी है, जिनमें चार पाकिस्तान के खिलाफ और एक चीन के साथ लड़ा था। देश की आजादी के बाद 1947-48 में हुए भारत-पाक युद्ध को 'कश्मीर युद्ध' नाम से भी जाना जाता है, जिसके बाद कश्मीर का भारत में विलय हुआ था। 1962 में चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी द्वारा धोखे से थाग-ला-रिज पर भारतीय सेना पर हमला बोल दिया गया था। उस जमाने में भातीय सेना के पास स्वचालित और आधुनिक हथियार नहीं होते थे, इसलिए चीन को रणनीतिक बढ़त मिली थी। 1965 के भारत-पाक युद्ध के बाद 1971 में भारतीय सेना ने पाकिस्तान को करारी शिकस्त दी थी। 13 दिनों तक चले उस युद्ध के बाद ही पाकिस्तान के टुकड़े कर बांग्लादेश का जन्म हुआ और पाकिस्तानी जनरल नियाजी के साथ 90 हजार पाक सैनिकों ने जांबाज भारतीय सेना के समक्ष हथियार डाल दिए थे। मई से जुलाई 1999 तक चले कारगिल युद्ध में तो भारतीय सेना ने पाकिस्तान को छठी का दूध याद दिला दिया था।

आज पूरी दुनिया भारतीय सेना का लोहा मानती है। आधुनिक हथियारों और प्रौद्योगिकी के साथ भारतीय सेना एक विश्वस्तरीय सेना है। सेना दिवस के महत्वपूर्ण अवसर पर चीन द्वारा वर्तमान में लगातार पेश की जा रही चुनौतियों के दौर में भारतीय सेना की निरन्तर बढ़ती ताकत का उल्लेख करना बेहद जरूरी है। 2025 की 'ग्लोबल फायरपावर रिपोर्ट' के अनुसार भारतीय सेना की गिनती दुनिया की चौथी सबसे बड़ी सेनाओं में की जाती है। इस रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय थल सेना के जखीरे में कई तरह के आधुनिक हथियार शामिल हैं, जिनमें आधुनिक टैंकों के साथ बैलिस्टिक मिसाइलें भी हैं। भारत की थल सेना के पास चार हजार से अधिक टैंक हैं। इसके अलावा भारतीय सेना के जखीरे में एक लाख से अधिक आर्म्ड व्हीकल भी शामिल हैं। थल सेना के पास 100 सेल्फ प्रोपेल्ड आर्टिलिरी, 3300 हल्की आर्टिलिरी भी हैं तथा थल सेना के बेड़े में करीब 1500 रॉकेट आर्टिलरी भी शामिल हैं।

भारतीय सैन्यबल में 14.45 लाख सक्रिय सैन्यकर्मी हैं, जो दुनिया में दूसरे नंबर पर है। सेना में 12 लाख से ज्यादा आरक्षित बल तथा बीस लाख अर्धसैनिक बल हैं। भारतीय थलसेना में 4600 से ज्यादा टैंक टी-72, टी-90, अर्जुन एमके-1, अर्जुन एमके-2 इत्यादि टैंक, 5 हजार से ज्यादा तोपें, 290 स्वचालित तोपें, 290 से ज्यादा रॉकेट तोपें तथा 8600 बख्तरबंद वाहन शमिल हैं। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय थलसेना हर परिस्थिति में चीनी सेना से बेहतर और अनुभवी है, जिसके पास युद्ध का बड़ा अनुभव है, जो कि विश्व में शायद ही किसी अन्य देश के पास हो। भले ही चीन के पास भारत से ज्यादा बड़ी सेना और सैन्य साजो-सामान है लेकिन आज के परिप्रेक्ष्य में दुनिया में किसी के लिए भी इस तथ्य को नजरअंदाज करना संभव नहीं हो सकता कि भारत की सेना को अब धरती पर दुनिया की सबसे खतरनाक सेना माना जाता है और सेना के विभिन्न अंगों के पास ऐसे-ऐसे खतरनाक हथियार हैं, जो चीनी सेना के पास भी नहीं हैं। धरती पर लड़ी जाने वाली लड़ाईयों के लिए भारतीय सेना की गिनती दुनिया की सर्वश्रेष्ठ सेनाओं में होती है और कहा जाता है कि अगर किसी सेना में अंग्रेज अधिकारी, अमेरिकी हथियार और भारतीय सैनिक हों तो उस सेना को युद्ध के मैदान में हराना असंभव होगा।

जापान के एक आकलन के मुताबिक भारतीय थलसेना चीन के मुकाबले ज्यादा मजबूत है। इस रिपोर्ट के अनुसार हिन्द महासागर के मध्य में होने के कारण भारत की रणनीतिक स्थिति बेहद महत्वपूर्ण है और दक्षिण एशिया में अब भारत का काफी प्रभाव है। अमेरिकी न्यूज वेबसाइट सीएनएन की एक रिपोर्ट में भी दावा किया जा चुका है कि भारत की ताकत पहले के मुकाबले बहुत ज्यादा बढ़ गई है और युद्ध की स्थिति में भारत का पलड़ा भारी रह सकता है। बोस्टन में हार्वर्ड केनेडी स्कूल के बेलफर सेंटर फॉर साइंस एंड इंटरनेशनल अफेयर्स तथा वाशिंगटन के एक अमेरिकी सुरक्षा केन्द्र के अध्ययन में कहा जा चुका है कि भारतीय सेना उच्च ऊंचाई वाले इलाकों में लड़ाई के मामले में माहिर है और चीनी सेना इसके आसपास भी नहीं फटकती।

संकल्प की शक्ति, साधारण मनुष्य कैसे बनता है असाधारण विजेता

संकल्प अंतर्मन में उत्पन्न होने वाली एक ऐसी अद्भुत शक्ति है, जो जीवन की कठिन से कठिन परिस्थितियों पर विजय प्राप्त करने और साथ ही दुस्साध्य लक्ष्य को भी भेदने में समर्थ होती है। दरअसल, संकल्प हमारे मन-मस्तिष्क की एक विशेष अवस्था है, जिसमें हमारा मन चरम उत्साह के साथ-साथ अथक परिश्रम और प्रयत्न के भाव से ओत-प्रोत रहता है। ये विशिष्ट भाव अंतर्मन को तीव्र गति प्रदान करते हैं और परिणामस्वरूप हमारा अंतर्मन शरीर को त्वरित प्रयास के लिए निर्दिष्ट करते हुए लक्ष्य के साधन को सफल बनाता है। परिस्थितियों की प्रतिकूलता, मार्ग की कठिनता एवं संसाधनों की सीमा, ये सभी प्रतिकूल कारक संकल्प की शक्ति के आगे प्रभावहीन हो जाते हैं।

संकल्प हमारे भीतर लक्ष्य के प्रति एक सशक्त प्रतिबद्धता का उदय करता है और उस दशा में हम समस्त बाधाओं को दरकिनार करते हुए निरंतर आगे की ओर उन्मुख होते हैं। संकल्प सही अर्थों में एक ऐसा मानसिक अनुबंध है, जो मनुष्य स्वयं से करता है। जब कोई व्यक्ति संकल्प लेता है, तो वह केवल विचार ही नहीं करता, बल्कि अपने विचारों, कर्मों और समय को एक दिशा में केंद्रित करते हुए अपनी यात्रा आरंभ करता है। संकल्प से ही विचार कर्म में और कर्म उपलब्धि में रूपांतरित होता है। बिना संकल्प के जीवन दिशाहीन हो जाता है और दिशाहीनता असफलता को जन्म देती है। संकल्प जीवन को एक निश्चित उद्देश्य प्रदान करते हुए उसमें सार्थकता का समावेश करता है।

आज के परिवेश में, जबकि विकल्पों की भरमार है और विशेष बात यह कि ध्यान को विचलित करने वाले कारक प्रत्येक स्थान एवं परिस्थिति में उपस्थित हैं, संकल्प का महत्त्व विशिष्ट हो जाता है। आमतौर पर मनुष्य स्वप्न तो बहुत देखता है, लेकिन उन्हें साकार करने के लिए प्रयत्न एवं कर्म करने में सर्वथा असफल रहता है। यही वजह है कि मनुष्य निराशा से घिर जाता है। दरअसल, समस्या सामर्थ्य की नहीं, संकल्प के अभाव की होती है। दृढ़ संकल्प साधारण व्यक्ति को भी असाधारण बना देता है।

भारतीय संस्कृति में संकल्प को विशेष महत्त्व दिया गया है। हमारे शास्त्रों में 'संकल्प शक्ति' को ईश्वर की प्राप्ति का माध्यम माना गया है। जब व्यक्ति किसी व्रत को धारण करता है, तब वह अपने मन को नियंत्रित करते हुए पूरी तरह लक्ष्य पर केंद्रित करता है। यही कारण है कि महापुरुषों, मुनियों एवं साधकों ने कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी अपने संकल्प से बिना विचलित हुए समाज को नई दिशा प्रदान की।

संकल्पशीलता के अनेक उदाहरण इतिहास के महासागर में विद्यमान हैं। महात्मा गांधी का सत्य और अहिंसा का संकल्प, भगत सिंह का स्वतंत्रता के लिए बलिदान का संकल्प, भीमराव आंबेडकर का सामाजिक न्याय का संकल्प, इन सभी ने न केवल अपने जीवन को सार्थक बनाया, बल्कि संपूर्ण राष्ट्र को दिशा दी। संकल्प व्यक्ति के चरित्र को भी निर्मित करता है।

संकल्प पर अडिग व्यक्ति आत्मविश्वास से भरा होता है। उसे अपने कर्म एवं निर्णयों पर पूरा विश्वास होता है और वह असफलताओं से भय से लेशमात्र भी घबराता नहीं। असफलता उसके लिए अंत नहीं, बल्कि एक शिक्षा और नई शुरुआत होती है। संकल्पशील व्यक्ति असफलता मिलने पर भी कहीं अधिक दृढ़ता से उठता है।

इसके विपरीत, क्षीण संकल्प वाला व्यक्ति छोटी-सी बाधा आने पर ही निराश हो जाता है और प्रयत्न को त्याग देता है। सामाजिक जीवन में संकल्प व्यक्ति को उत्तरदायित्व का बोध कराता है। जब कोई व्यक्ति समाज के प्रति अपने कर्तव्यों का संकल्प लेता है, तब वह केवल अपने हित तक ही सीमित नहीं रहता, बल्कि दूसरों के कल्याण के लिए भी तत्पर रहता है।

दृढ़ संकल्प के माध्यम से ही समाज में सकारात्मक परिवर्तन संभव है। यह सच है कि बड़े परिवर्तन हमेशा लघु संकल्पों से ही प्रारंभ होते हैं। व्यक्तिगत जीवन में संकल्प आत्म परिवर्तन और आत्म-परिष्कार का माध्यम है। अवगुणों को त्यागते हुए सद्गुणों से युक्त स्वस्थ जीवन शैली को अपनाने के लिए संकल्प नितांत आवश्यक है।

परिवर्तन केवल इच्छामात्र से नहीं घटित होता, बल्कि दृढ़ निश्चय और निरंतर प्रयास से संभव हो पाता है। जब व्यक्ति जीवन को सुंदरता और सार्थकता प्रदान करने के लिए स्वयं से वचनबद्ध होता है, तभी वास्तविक परिवर्तन की शुरुआत होती है। यह भी एक कटु सत्य है कि संकल्प को बनाए रखना आसान नहीं होता।

समय और परिस्थितियां उत्साह को क्षीणता की ओर अग्रसर करते हैं, बाधाओं को बढ़ा सकते हैं। ये कर्म और प्रयत्न के तारतम्य को भी बाधित करते हैं। ऐसी दशा में आत्मचिंतन और आत्मप्रेरणा आवश्यक हो जाती है। व्यक्ति को संकल्प का स्मरण कर उसके उद्देश्य को फिर से समझते हुए कर्म की निरंतता को किसी भी तरह बनाए रखना चाहिए।

संकल्प जितना स्पष्ट और दृढ़ होगा, लक्ष्य को साधना उतना ही आसान होगा। कहा जा सकता है कि संकल्प मानव जीवन की वह आधारशिला है, जिस पर सफलता, चरित्र और सार्थकता का भवन खड़ा होता है। संकल्प के साथ साधारण क्षमता भी असाधारण उपलब्धियों को अर्जित कर सकती है।

संकल्प व्यक्ति को परिस्थितियों का दास नहीं, बल्कि उनका स्वामी बनाता है। जीवन की प्रत्येक चुनौती संकल्प की कसौटी है और प्रत्येक उपलब्धि संकल्प की विजय। इसलिए आवश्यक है कि हम अपने जीवन में संकल्प की शक्ति को पहचानते हुए उसे लगातार विकसित करें। छोटे-छोटे संकल्पों से आरंभ करते हुए धीरे-धीरे बड़े लक्ष्यों की ओर बढ़ें। जब संकल्प सशक्त होगा, तब जीवन अपने आप ही सशक्त होता जाएगा। यही संकल्प की वास्तविक महत्ता है।

डिग्री से आगे की दुनिया, क्या हुनर बन रहा है सफलता की असली पहचान?

समय की गति बहुत तेज है और इस बदलाव के साथ ही जीने और काम करने के तरीके भी पूरी तरह बदल चुके हैं। बहुत समय से समाज में यह बात गहराई से बैठी हुई थी कि अगर जीवन में सफल होना है, तो एक बड़ी डिग्री का होना सबसे जरूरी है। मगर अब चारों तरफ यह चर्चा हो रही है कि आने वाले समय में सिर्फ डिग्री पाना ही काफी नहीं होगा। कौशल विकास का पैमाना अहम होगा। ऐसे में क्या डिग्री की प्रासंगिकता का सवाल उन करोड़ों छात्रों और अभिभावकों के लिए उठ खड़ा हुआ है, जो अपनी मेहनत की कमाई और जीवन का कीमती समय एक डिग्री हासिल करने में लगा देते हैं। पहले यह माना जाता था कि स्कूल और कालेज की पढ़ाई खत्म करने के बाद जो प्रमाणपत्र मिलता है, वही उज्ज्वल भविष्य की एकमात्र चाबी है, लेकिन अब वह चाबी अपनी चमक खो रही है। दुनिया उस दिशा में आगे बढ़ रही है, जहां इस बात से ज्यादा फर्क पड़ता है कि किसी को काम क्या आता है, वह कितनी कुशलता से उसे पूरा कर सकता है।

भारत की शिक्षा व्यवस्था में हाल ही में जो बड़े बदलाव किए गए हैं, उनका मुख्य उद्देश्य भी इसी पुरानी सोच को बदलना है। पुराने समय की पढ़ाई ऐसी थी, जैसे सबको एक ही सांचे में ढालने की कोशिश की जा रही हो। इसे अक्सर 'मैकाले की शिक्षा पद्धति' कहा जाता था, जिसका काम केवल सरकारी और निजी दफ्तरों के लिए एक जैसे कर्मचारी तैयार करना था।

उस व्यवस्था में छात्रों की अपनी रुचि और उनकी छिपी हुई प्रतिभा के लिए बहुत कम जगह थी। मगर अब सोच पूरी तरह बदल रही है। शिक्षा मंत्री ने भी हाल में कहा कि अब देश को केवल डिग्री बांटने वाले संस्थानों की नहीं, बल्कि हुनर भी सिखाने वाले केंद्रों की जरूरत है। आज के समय में अंतरराष्ट्रीय कंपनियां नौकरी देते समय कालेज का नाम या डिग्री का साल नहीं पूछतीं, बल्कि यह देखती हैं कि सामने वाला व्यक्ति उनकी चुनौतियों को सुलझाने की क्षमता रखता है या नहीं। अब एक हुनरमंद व्यक्ति, जिसके पास कोई बहुत बड़ी डिग्री नहीं है, वह भी अपनी मेहनत और योग्यता के दम पर ऊंचे मुकाम पर पहुंच सकता है।

पहले अगर कोई छात्र कालेज की पढ़ाई किसी मजबूरी के कारण बीच में छोड़ देता था, तो उसे अच्छा नहीं समझा जाता था और उसके पिछले साल भी पूरी तरह बेकार चले जाते थे, लेकिन अब ऐसी व्यवस्था बनाई गई है कि छात्र का एक भी दिन बेकार नहीं जाएगा। अब अगर कोई एक साल पढ़ाई करके छोड़ता है, तो उसे प्रमाणपत्र मिलेगा और अगर दो साल बाद छोड़ता है, तो डिप्लोमा दिया जाएगा। यह बड़ी राहत की बात है। यह इस बात की स्वीकृति है कि सीखना कभी बेकार नहीं जाता और इंसान का हर अनुभव उसकी एक अलग योग्यता है।

इससे छात्रों पर यह मानसिक दबाव काफी कम हुआ है कि उन्हें हर हाल में लगातार तीन या चार वर्ष तक एक ही कमरे में बैठ कर पढ़ाई पूरी करनी ही है। अब वे अपनी जरूरत और परिस्थिति के हिसाब से पढ़ाई कर सकते हैं और जब भी चाहें वापस आकर अपनी शिक्षा पूरी कर सकते हैं।

भारत जैसे विशाल देश में जहां हर वर्ष लाखों युवा अपनी पढ़ाई पूरी करते हैं, वहां सभी को सरकारी नौकरी नहीं मिल सकती। इसीलिए अब कौशल विकास पर जोर दिया जा रहा है। स्कूलों में छठी कक्षा से ही बच्चों को ऐसी चीजें सिखाई जा रही हैं जो उन्हें कामकाज के लिए तैयार करती हैं।

चाहे वह कंप्यूटर कोडिंग हो, बिजली का काम हो, बढ़ई का काम हो या कोई और हस्तशिल्प। अब इन सबको पढ़ाई का जरूरी हिस्सा माना जा रहा है। पहले इन कामों को छोटा समझा जाता था, लेकिन अब यह समझ विकसित हो रही है कि कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता, बस उसे करने की विशेषज्ञता और उसमें हासिल की गई महारत मायने रखती है।

ऐसे में एक अच्छा मैकेनिक या कलाकार किसी औसत डिग्रीधारी से कहीं ज्यादा बेहतर जीवन जी सकता है। यानी शिक्षा के साथ-साथ कौशल विकास अब समय की मांग और जरूरत बनता जा रहा है। कृत्रिम मेधा (एआइ) के आने से डिग्रियों का मोल और भी कम हुआ है। जो काम पहले लोग वर्षों किताबी पढ़ाई के बाद करते थे, वह अब कंप्यूटर और मशीनें कुछ ही सेकंड में और कहीं ज्यादा सटीकता से कर लेती हैं।

ऐसे में वह सब सीखना अब और भी जरूरी हो गया है जो मशीनें कभी नहीं कर सकतीं। जैसे कि नई और मौलिक सोच, दूसरों की भावनाओं को समझना, टीम के साथ मिल कर काम करना और मुश्किल हालातों में सही फैसला लेना।

ये ऐसी मानवीय खूबियां हैं जिन्हें किसी किताब को रट कर या कोई परीक्षा पास करके हासिल नहीं किया जा सकता। इन्हें सीखने के लिए निरंतर अनुभव, गलतियों से सबक लेने की इच्छा और लगातार अभ्यास की जरूरत होती है।

इसलिए भविष्य की शिक्षा में अब 'क्या पढ़ना है' के बजाय 'सीखने की प्रक्रिया' पर ध्यान देने की जरूरत है। अब हर किसी को पूरी जिंदगी एक सक्रिय छात्र बने रहना होगा, क्योंकि जो तकनीक आज नई है, वह कल पुरानी हो जाएगी। पुरानी डिग्री की ताकत केवल शिक्षण संस्थान तक थी, लेकिन हुनर की ताकत पूरी जिंदगी साथ रहती है। एक बहुत अच्छी डिग्री वाला व्यक्ति भी कभी-कभी जीवन की दौड़ में पीछे छूट जाता है और बेरोजगार बैठा रहता है, जबकि अब एक हुनरमंद व्यक्ति अपना छोटा सा काम शुरू करके भी सफलता की ऊंचाइयों को छू रहा है।

इससे समाज की वह पुरानी सोच टूट रही है जो केवल डाक्टर, इंजीनियर या आइएएस बनने को ही सफल जीवन का पैमाना मानती थी। एक पहलू यह भी है कि आने वाले समय में कंपनियां डिग्री के बजाय वह काम दिखाने के लिए कहेंगी जो वास्तव में पहले किया है।

उदाहरण के लिए, अगर कोई ग्राफिक डिजाइनर बनना चाहता है, तो उसकी डिग्री से ज्यादा यह देखा जाएगा कि उसने अब तक कौन-कौन से डिजाइन बनाए हैं। यानी जो सच में काबिल होगा, अब वही आगे बढ़ पाएगा। यह व्यवस्था उन लोगों के लिए वरदान है जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं और बड़े कालेजों की फीस नहीं भर सकते, लेकिन जिनमें कुछ कर दिखाने का जज्बा है।

बहरहाल, डिग्री पूरी तरह से गायब तो नहीं होगी, लेकिन उसका पुराना स्वरूप जरूर खत्म हो जाएगा। वह अब केवल करिअर की शुरुआत का एक छोटा सा रास्ता बन कर रह जाएगी, मंजिल नहीं। असली पहचान हमेशा उस काम से होगी जो कोई व्यक्ति अपनी मेहनत और कौशल से जमीन पर करके दिखाएगा। आने वाला सुनहरा समय उन लोगों का है, जो खुद को समय के साथ बदलने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं और जो कभी यह नहीं सोचते कि उनकी पढ़ाई और सीखने का समय खत्म हो गया है।

कागजों के भारी बोझ को अब कंधों से उतार कर हुनर के पंख फैलाने का सही वक्त आ गया है। शिक्षा का असली और एकमात्र अर्थ भी यही है कि वह इंसान को आत्मनिर्भर, जागरूक और एक जिम्मेदार नागरिक बनाए।

एसआईआर को लेकर कल जनपद के समस्त मतदेय स्थलों पर विशेप कैम्प का होगा आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। अपर जिलाधिकारी (वि0रा0)/उप जिला निर्वाचन अधिकारी कुंवर वीरेंद्र मौर्य द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अर्हता तिथि 01.01.2026 के आधार पर विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावली के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 (एसआईआर) के दृष्टिगत दावे और आपत्ति प्राप्त करने की अवधि दिनांक 06.01.2026 से 06.02.2026 मे कल (रविवार), 31.01.2026 (शनिवार) तथा 01.02.2026 (रविवार) को जनपद के समस्त मतदेय स्थलों पर विशेप कैम्प का आयोजन किया जायेगा। उक्त विशेष अभियान की तिथियों पर जनपद मे अवस्थित समस्त विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में स्थापित समस्त मतदेय स्थल/मतदान केन्द्रों पर सम्बन्धित बी0एल0ओ0 आलेख्य प्रकाशित मतदाता सूची एवं फार्म-6, 7 एवं 8 के साथ पूर्वान्ह 10:30 बजे से सायं 04:30 बजे तक की अवधि में उपस्थित रहेगें एवं मतदाता सूची को पढ़कर सुनायेगें। उक्त तिथियों में मतदेय स्थल पर समस्त वी0एल0ओ0 के पास एएसडीडी सूची भी उपलब्ध रहेगी जिसका अवलोकन मतदाता कर सकते हैं। मतदाताओं की सुविधा हेतु समस्त मतदेय स्थलों पर हेल्प डेस्क की स्थापना की जायेगी।

अतः सभी अर्ह नागरिकों से अपील की जाती है कि वे कृपया उपरोक्त अवधि में संबंधित मतदेय स्थल पर उपस्थित होकर आलेख्य प्रकाशित मतदाता सूची का निरीक्षण कर लें, यदि किसी अर्ह मतदाता जो दिनांक 01 जनवरी, 2026 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे हों अथवा उससे अधिक आयु के हों, परन्तु उनका नाम मतदाता सूची में सम्मिलित न हुआ हो तो वे प्रारूप 6 में अपना आवेदन सम्बन्धित पदाभिहीत स्थल पर नियुक्त पदाभिहीत अधिकारी/वूथ लेवेल आफिसर (बी0एल0ओ0) के समक्ष अथवा सम्बन्धित तहसील क्षेत्र के मतदाता रजिस्ट्रेशन केन्द्रों पर प्रस्तुत कर सकते है। इसी प्रकार किसी सम्मिलित नाम के विरूद्ध कोई आपत्ति हो तो प्रारूप 7 एवं मतदाता के नाम से सम्बन्धित किसी प्रविष्टि में कोई त्रुटि हो तो उसे शुद्ध कराने या उसी विधान सभा के किसी अन्य मतदेय स्थल पर स्थानांतरित कराये जाने अथवा डुप्लीकेट पहचान पत्र जारी कराये जाने या दिव्यांग मतदाता मार्क कराये जाने हेतु प्रारूप-8 में आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

इसके अतिरिक्त भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अब वर्ष में 04 अर्हक तिथि क्रमशः 01 जनवरी, 01 अप्रैल, 01 जुलाई एवं 01 अक्टूबर निर्धारित की गयी है अर्थात 'एक पात्र नागरिक को जो वर्ष-2026 में अर्ह तारीखों अर्थात 01 अप्रैल, 2026, 01 जुलाई, 2026 या 01 अक्टूबर 2026 में से किसी भी तिथि को अट्ठारह वर्ष की आयु प्राप्त करने वाला है, वह अग्रिम में प्रारूप 6 में निर्वाचक नामावली में अपना नाम सम्मिलित करने के लिए दावा कर सकेगा और उस पर संबंधित अर्हता तारीख के संदर्भ में संबंधित तिमाही में विचार और विनिश्चय किया जाएगा।'

आवेदन के प्रारूप सभी बीएलओ के पास उपलब्ध है। सभी अर्ह नागरिक उक्त फार्म बीएलओ से निःशुल्क प्राप्त कर सकते हैं एवं साथ ही भरे हुए फार्मों को आवश्यक दस्तावेजों के साथ बीएलओ को प्राप्त करा सकते हैं अथवा ऑनलाइन www.voters.eci.gov.in पर लॉगिन करके भी आवेदन कर सकते हैं।

माघ मेला प्रयागराज के दृष्टिगत बने अस्थायी श्रद्धालु शिविरों का किया गया निरीक्षण

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। शासन के निर्देशों के क्रम में माघ मेला प्रयागराज-2026 को सकुशल, सुव्यवस्थित एवं श्रद्धालु-हितैषी ढंग से संपन्न कराने हेतु जनपद भदोही में श्रद्धालुओं के सुगम यातायात, रुकने, ठहरने एवं विश्राम की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। इसी क्रम में जनपद में कुल 05 अस्थायी श्रद्धालु शिविरों का निर्माण किया गया है।

इन अस्थायी श्रद्धालु शिविरों में प्रमुख रूप से काशीराज इंटर कॉलेज, औराई; गुलाबधर मिश्र इंटर कॉलेज, गोपीगंज; तथा रामदेव पीजी कॉलेज, जंगीगंज को चिन्हित किया गया है, शेष रामलीला मैदान गोपीगंज एवं राजपूत ढाबा के पीछे बगिया है। जहां माघ मेला के दौरान प्रयागराज जाने वाले एवं लौटने वाले श्रद्धालु ठहराव एवं विश्राम कर सकेंगे।

जिलाधिकारी शैलेष कुमार एवं पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक द्वारा उक्त अस्थायी श्रद्धालु शिविरों का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान दोनों अधिकारियों ने शिविरों में उपलब्ध कराई जा रही व्यवस्थाओं का गहनता से जायजा लिया तथा श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। द्वय अधिकारियों द्वारा श्रद्धालुओं हेतु स्वच्छ शौचालय, शुद्ध पेयजल, भोजन व्यवस्था, वाहन पार्किंग, प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छता एवं सुरक्षा प्रबंध जैसी आधारभूत आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराई गई। साथ ही संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि शिविरों में किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो तथा सभी व्यवस्थाएं मानक के अनुरूप समयबद्ध रूप से संचालित की जाएं।

जिलाधिकारी ने कहा कि श्रद्धालुओं को जनपद की सीमा में प्रवेश से लेकर प्रस्थान तक किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, यह प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। वहीं पुलिस अधीक्षक ने यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने, पार्किंग स्थलों के समुचित संचालन एवं सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद रखने के निर्देश दिए।

जनपद प्रशासन द्वारा माघ मेला प्रयागराज-2026 के दृष्टिगत श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा एवं सुगम आवागमन सुनिश्चित करने हेतु सभी आवश्यक तैयारियां लगातार की जा रही हैं।

निरीक्षण में अपर जिलाधिकारी कुंवर वीरेंद्र मौर्य, उप जिलाधिकारी औराई श्याम मणि त्रिपाठी , तहसीलदार ज्ञानपुर अजय सिंह, अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी संदीप सरोज, जिला सूचना अधिकारी डॉ पंकज कुमार, बीडीओ औराई, ज्ञानपुर, डीघ व अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0

महिला सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन हेतु चला अभियान

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। कम्युनिटी पुलिसिंग एवं महिला सशक्तिकरण हेतु चलाये जा रहे 'मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0' के अंतर्गत अभिमन्यु मांगलिक, पुलिस अधीक्षक भदोही के निर्देशन में जनपद के समस्त थाना क्षेत्र अंतर्गत महिला बीट पुलिस अधिकारियों द्वारा गांवों/कस्बों/स्कूलों/कॉलेजों/मंदिरों में भ्रमण कर प्राथमिकता के आधार पर महिला/बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही चौपाल का आयोजन कर महिलाओं एवं बालिकाओं को कम्युनिटी पुलिसिंग एवं महिला सशक्तिकरण के तहत महिला सुरक्षा व बचाव संबंधी जानकारी दी गई और शासन द्वारा जारी हेल्प लाइन नम्बर, जैसे- 1090, 112, 1076, 1098, 108 की विस्तृत जानकारी देते हुए संकट के समय इनके प्रयोग हेतु बताया गया। साथ ही साइबर अपराधों के संबंध में अवगत कराते हुए इससे बचने और सतर्क रहने हेतु 1930 हेल्प लाइन नंबर का उपयोग करने के संबंध में जानकारी दी गई। सरकार द्वारा महिलाओं से सम्बन्धित संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में जानकारी देकर व पम्पलेट वितरित उन्हें जागरुक किया गया।

साइबर हेल्प डेस्क द्वारा पीड़िता के खाते में धनराशि कराया गया वापस

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। साइबर हेल्प डेस्क थाना सुरियावां व थानाध्यक्ष सुरियावां को किसी पीड़ित व्यक्ति के साथ हुए धोखाधड़ी या सोशल साइट के दुरुपयोग पर त्वरित कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है। उक्त के क्रम में आवेदक रोहित यादव पुत्र अशोक यादव निवासी बनकट थाना सुरियावां जनपद भदोही मो0नं0 7755895255 से फ्रॉडस्टर आवेदक के भाई की फर्जी इन्स्टाग्राम आईडी बनाकर दिनांक 12.01.2026 को 5000 रुपये का फ्राड कर लिया जिसके सम्बन्ध में आवेदक द्वारा आनलाइन साइबर कम्पलेन दर्ज किया गया था। साइबर हेल्प डेस्क थाना सुरियावां द्वारा उक्त प्रार्थना पत्र तथा एनसीआरपी पोर्टल का अवलोकन कर त्वरित कार्यवाही करते हुए लेयर 06 में गये 2000/- रुपये की धनराशि को पीड़िता के खाते में वापस कराया गया । पीड़ित द्वारा खाते से गयी धनराशि को वापस पाकर पुलिस अधीक्षक भदोही व साइबर हेल्प डेस्क थाना सुरियावाँ जनपद भदोही के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भदोही पुलिस की भूरि- भूरि प्रशंसा की गयी।

मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत कांग्रेस कमेटी द्वारा चौपाल का हुआ आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत आज जिला कांग्रेस कमेटी भदोही के अध्यक्ष वसीम अंसारी के नेतृत्व में ब्लॉक अभोली के सदौपुर एवं नागमलपुर गांव में चौपाल का आयोजन किया गया।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कोऑर्डिनेटर व भदोही प्रभारी दयाशंकर पांडेय एवं जिला अध्यक्ष वसीम अंसारी ने संयुक्त बयान में कहा कि सरकार द्वारा मनरेगा को कमजोर किया जा रहा है, जिससे मजदूरों को काम और मजदूरी समय पर नहीं मिल पा रही है। कांग्रेस पार्टी मजदूरों के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखेगी।

मनरेगा बचाओ संग्राम के कोऑर्डिनेटर सुरेश चंद्र मिश्रा एवं पूर्व जिला अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र कुमार दुबे 'राजन' ने कहा कि मनरेगा ग्रामीण गरीबों की जीवनरेखा है और इसे समाप्त करने की किसी भी साजिश का कांग्रेस विरोध करेगी। यूथ कांग्रेस प्रदेश महासचिवनाजिम अली एवं कार्यक्रम के संयोजक सुमित शुक्ला 'चिंटू ने संयुक्त रूप से कहा कि इस आंदोलन को गांव-गांव तक पहुंचाया जाएगा।

इस अवसर पर किसान कांग्रेस सोशल मीडिया राष्ट्रीय संयोजक दिलीप मिश्रा राजेश्वर दुबे, सुबुकतगीन अंसारी , आशुतोष पाण्डेय, मृत्युंजय पांडेय, रमाशंकर बिंद, सुरेश चौहान, शक्ति मिश्रा , नितिन सिंह , ओम प्रकाश चौटाला, लक्ष्मण पांडेय, इंद्रमणि पांडेय, रमेश गौतम कांति देवी , जोखू हरिजन , खिचड़ी गौतम, धर्मराज गौतम इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

कार्पेट डाइंग उद्योगों से प्रदूषित जल निस्तारण की शिकायतों के दृष्टिगत गठित संयुक्त समिति द्वारा डाइंग प्लांटों की जांच

जिलाधिकारी के आदेश पर कार्पेट डाइंग उद्योगों की जांच हेतु संयुक्त समिति की कार्यवाही

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जनपद में संचालित कार्पेट उद्योग के विभिन्न डाइंग प्लांटों से निकलने वाले अत्यधिक प्रदूषित जल को बिना किसी उपचार के सीधे नालों, जलस्रोतों एवं भूमिगत जल में प्रवाहित किए जाने सम्बंधी प्राप्त हो रही शिकायतों के दृष्टिगत जिलाधिकारी, भदोही द्वारा आदेश 06 जनवरी, 2026 से 08 अर्न्तविभागीय सदस्यों की संयुक्त समिति का गठन किया गया था। उक्त संयुक्त समिति उप जिलाधिकारी न्यायिक बरखा सिंह उप मुख्य कार्यपालक अधिकारी बीड़ा अनीता देवी महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र आशुतोष सहाय पाठक रिलेशनशिप मैनेजर राजेश अधिशासी अभियंता भूगर्भ जल विभाग स्वप्निल कुमार राय अधिशासी अधिकारी नगर पालिका धर्मराज सिंह सहायक अभियंता सिंचाई विनय प्रताप मौर्य क्षेत्रीय बना अधिकारी आलोक रंजन उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड वाराणसी सुशील कुमार सहायक वैज्ञानिक अधिकारी पीसी वर्मा वैज्ञानिक सहायक द्वारा 16 जनवरी 2026 को जनपद-भदोही में स्थापित / संचालित निम्नलिखित डाईंग उद्योगों की जॉच की गई मेसर्स कार्पेट इण्टरनेशनल, हरियॉव बाईपास रोड, भदोही।

मेसर्स कार्पेट पैलेस, कार्पेट सिटी, अहमदपुर, फुलवरियों, भदोही।

मेसर्स दीपक डाइंग हाउस, बीडा, कार्पेट सिटी, भदोही,

मेसर्स मैम्ब वूलेन्स, जमुनीपुर, भदोही।

मेसर्स मीरा इण्डस्ट्रीज, कार्पेट सिटी, बीडा, भदोही।

मेसर्स रूपेश कुमार एण्ड ब्रदर्स, बीडा, कार्पेट सिटी, भदोही।

मेसर्स शोभा वूलेन्स प्रा0 लि0, नेशनल चौराहा ज्ञानपुर रोड, भदोही।

मेसर्स ए0डी0सी0 यार्न डायर्स, कार्पेट सिटी, बीडा, भदोही।

मेसर्स राधा डाईंग, कार्पेट सिटी, बीडा, भदोही।

मेसर्स एम0के0आर0 इण्टरनेशनल (माबूद इण्टरनेशनल), कार्पेट सिटी, बीडा, भदोही।

मेसर्स एस0के0 डाईंग हाउस, कार्पेट सिटी, बीडा, भदोही।

मेसर्स अरविन्द एक्सपोर्ट, कार्पेट सिटी, बीडा, भदोही।

मेसर्स मार्डन डाईंग हाउस, कार्पेट सिटी, बीडा, भदोही।

जॉच के दौरान उपरोक्त कुल उद्योगों में से 1 से 7 एवं 10, 12 पर उल्लिखित उद्योग से निस्तारित औद्योगिक उत्प्रवाह के नमूने का एकत्रण कर क्षेत्रीय कार्यालय, उ0 प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, वाराणसी की प्रयोगशाला में जमा कराया गया है। विश्लेषण आख्या प्राप्त होने पर प्रचालकों की मात्रा निर्धारित मानको के अनुरूप न होने की दशा में उद्योग के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

सड़क सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत 16वें दिन परिवहन विभाग द्वारा सघन वाहन जांच एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश शासन के आदेशों के अनुपालन एवं जिलाधिकारी शैलेष कुमार के निर्देशन में जनपद भदोही में सड़क सुरक्षा सप्ताह का आयोजन दिनांक 01 जनवरी 2026 से 31 जनवरी 2026 तक किया जा रहा है। इसी क्रम में सड़क सुरक्षा सप्ताह के 16वें दिवस (16 जनवरी 2026) को परिवहन विभाग द्वारा सघन प्रवर्तन एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी राम सिंह ने बताया कि परिवहन विभाग की टीम द्वारा विभिन्न चौराहों एवं प्रमुख मार्गों पर वाहनों की जांच की गई। जांच के दौरान हेलमेट न पहनने, रांग साइड ड्राइविंग, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग, ड्रंकन ड्राइविंग तथा सीट बेल्ट न लगाने जैसे यातायात नियमों के उल्लंघन पाए गए।

जांच के दौरान कुल चालानों की स्थिति इस प्रकार रहे -हेलमेट न पहनने पर : 25 वाहन, रांग साइड ड्राइविंग पर : 08 वाहन, मोबाइल फोन का प्रयोग करते पाए जाने पर : 05 वाहन, ड्रंकन ड्राइविंग में : 04 वाहन, सीट बेल्ट न लगाने पर : 08 वाहन । इसके साथ ही औराई विकास खण्ड में खण्ड विकास अधिकारी दिलीप कुमार की उपस्थिति में ग्राम प्रधानों को सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया तथा सभी को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षित वाहन संचालन, हेलमेट एवं सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग, नशे की हालत में वाहन न चलाने तथा यातायात नियमों के पालन पर विशेष रूप से जोर दिया गया।

इस अवसर पर परिवहन विभाग के अधिकारी/कर्मचारी एवं खण्ड विकास अधिकारी द्वारा भी सड़क सुरक्षा कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता की गई। जनपद प्रशासन द्वारा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने तथा आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से इस प्रकार के प्रवर्तन एवं जनजागरूकता कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जा रहे हैं।

केदारपुर में बना आरआरसी सेंटर बना शोपीस, जिम्मेदार बने मुकदर्शक

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जिले के डीघ ब्लॉक अंतर्गत केदारपुर गांव में बना रिसोर्स रिकवरी सेंटर (आरआरसी) निष्प्रयोज्य साबित हो रहा है। लाखों रुपये की लागत से निर्मित यह ठोस अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र अब शराबियों का अड्डा बन गया है और गंदगी से भरा पड़ा है। दीवारे फट गई है, कार्यालय और शौचालय केवल सिस्टम को मुंह चिढ़ा रही है लेकिन कोई भी जिम्मेदार इसकी सुधि लेने वाला नहीं है। सेंटर का मुख्य दरवाजा टूटा हुआ और परिसर के अंदर शराब की बोतलें, पन्नी, पाउच, डिस्पोजल गिलास तथा अन्य प्लास्टिक कचरे का अंबार लगा था। शौचालय भी बोरियों और प्लास्टिक की थैलियों से भरे पड़े है।

यह केंद्र सरकार की अति महत्वाकांक्षी ठोस अपशिष्ट प्रबंधन योजना का हिस्सा है, जिस पर लाखों रुपये खर्च किए गए हैं। इसका मुख्य उद्देश्य घरेलू और अन्य ठोस कचरे को अलग करना, पुनर्चक्रित करना, खाद बनाना और पर्यावरण को स्वच्छ रखना है। हालांकि, संचालन न होने के कारण यह निवेश निरर्थक साबित हो रहा है। इसके दुर्दशा के पीछे कहीं न कहीं जिम्मेदारों की मिलीभगत और लापरवाही का खेल है, यदि जिम्मेदार अधिकारी इस तरह की सेंटर की सही निगरानी और जानकारी लेते तो इस तरह सरकार की मंशा खुले आम तार तार न होती। यह नजारा न केवल एक सेंटर का है बल्कि ऐसा है नजारा कई सेंटर पर देखा जा सकता है जहां ग्राम प्रधान और जिम्मेदार अधिकारियों के मिलीभगत से 'खेला' होता है। सब लोक जानते हुए भी मुकदर्शक बने है और जिले के अधिकारियों को केवल मनमानी रिपोर्ट देकर गुमराह कर रहे है।

महर्षि आज़ाद मैदान मेढ़ी में कल से शुरू होगी राज्यस्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही।सुरियावां क्षेत्र के महर्षि आज़ाद मैदान, मेढ़ी में तेजधर ब्रह्मबाबा खेल समिति द्वारा आयोजित महर्षि आज़ाद राज्यस्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ कल 18 जनवरी से होने जा रहा है। प्रतियोगिता का उद्घाटन समारोह जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी की अध्यक्षता में संपन्न होगा, जबकि उद्घाटन के मुख्य अतिथि जिलाधिकारी शैलेष कुमार होंगे।

आयोजन समिति के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव ने बताया कि इस प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश सहित अन्य प्रदेशों की टीमें भी प्रतिभाग करेंगी। प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच बाँदा और पड़रौना की टीमों के मध्य खेला जाएगा। उन्होंने बताया कि यह अति प्रतिष्ठित प्रतियोगिता वर्ष 1982 से लगातार आयोजित की जा रही है, जिसमें प्रतिवर्ष देश के दिग्गज खिलाड़ी भाग लेते हैं। प्रतियोगिता में रणजी स्तर के खिलाड़ियों का प्रदर्शन भी देखने को मिलता है, जिससे क्षेत्रीय प्रतिभाओं को निखरने और राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचने का सुनहरा अवसर प्राप्त होता है।

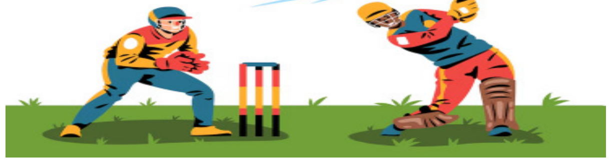

सनातनी अग्रदूत ऋषि शुक्ला के सेवा धर्म की हर जगह हो रही सराहना

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। काशी प्रयाग बंग परिषद के व्यवस्थापक विनय दुबे के नेतृत्व में परिषद परिवार द्वारा गंगा सागर तीर्थ यात्रियों के स्वागत सम्मान एवं सेवा का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता पहुंचे भदोही के सनातनी अग्रदूत एवं युवा हिंदू वाहिनी के नेता ऋषि शुक्ला का विशेष स्वागत सम्मान किया गया। बंग परिवार के सेवा धर्म कार्यक्रम में ऋषि शुक्ला का अंग वस्त्र देकर सम्मान किया गया। उन्होंने सनातनी युवाओं की टीम के साथ नारियल फोड़कर गंगासागर तीर्थ यात्रा के दल की विधिवत अगवानी की और यात्रा की सफलता पर मंगल कामना की। इस अवसर पर ऋषि शुक्ला के साथ सनातनी समाज की एकजुट टीम उपस्थित रही। जिसमें तरुण मिश्रा, गुड्डू पांडे, विमल तिवारी, राजू पांडे, मनीष शुक्ला, मोनू शुक्ला, अरविंद पांडे, आशीष चौबे, विपुल पांडे, श्रीकांत दुबे, आकाश मिश्रा, आजाद मिश्रा, खन्ना तिवारी, सुमित दूबे, रामजी दूबे एवं कुशल पांडे प्रमुख रूप से शामिल रहे। इस मौके पर समाजसेवी ऋषि शुक्ला ने कहा कि गंगासागर तीर्थ यात्रा सनातन संस्कृति की आस्था एकता और सेवा भाव का जीवन उदाहरण है। उन्होंने काशी प्रयाग बंद परिषद परिवार के साथ मिलकर तीर्थ यात्रियों की सेवा को पुण्य कार्य बताया और परिषद के व्यवस्थापक विनय दुबे के प्रति आभार भी व्यक्त किया। भदोही से जुड़ी गंगासागर तीर्थ यात्रा को लेकर यह आयोजन क्षेत्र के लिए बड़ी और प्रेरणादायक मानी जा रही है। उल्लेखनीय है कि युवा सनातनी अग्रदूत युवा समाजसेवी ऋषि शुक्ला स्वयं भी बंग परिवार के आयोजक मंडल में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। जिससे सनातनी युवाओं में उत्साह एवं संगठन आत्मक मजबूती देखने को मिल रही है।

पुलिस ने चोरी के दो अभियुक्तों को किया गिरफ्तार भेजा जेल

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन, के आदेश के क्रम में, अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत, अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के कुशल पर्यवेक्षण में, पवीन प्रकाश क्षेत्राधिकारी इटवा के कुशल पर्यवेक्षण में, रवीन्द्र सिंह प्रभारी निरीक्षक थाना इटवा के नेतृत्व में थाना इटवा पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 239/2025 धारा 331(4)/305ए से सम्बन्धित 02 नफर अभियुक्तगण को ग्राम मधवापुर पुलिया इटवा बढनी रोड थाना इटवा से सुखारी उर्फ सुबराती पुत्र मलगोदे उर्फ अब्दुल रहमान निवासी डिहवा मोहम्मद नगर के साथ प्रदीप राजभर पुत्र खुन्नु निवासी बेलवा दोनों मिस्रौलिया थाना क्षेत्र को गिरफ्तार कर उनके पास से से चोरी के दो गलैन्डर मशीन बरामद किया गया, पुलिस टीम ने उप निरीक्षक चन्द्र प्रताप सिंह , हे0का0 उपेन्द्र निषाद , का0 मोतीचन्द , कास्टेबल नितिन यादव द्वारा आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण कर अभियुक्तगण को न्यायालय भेजा।

मां की बॉडी लेकर अकेले पोस्टमार्टम कराने पहुंचा 8 साल का मासूम

एड्स से गई जान तो अपनों ने सनी से मुंह मोड़ा!

एटा **(एजेंसी)**। प्रदेश के एटा जिले के थाना जैथरा क्षेत्र में एक एचआईवी पीड़ित महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। जिसके आठ वर्षीय बेटे ने पोस्टमार्टम समेत अन्य प्रक्रिया पूरी कराई और अंतिम समय में अकेले ही मां का साथ निभाया। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, ग्राम नगला धीरज निवासी दिवंगत सुरेंद्र की पत्नी नीलम की इलाज के दौरान एटा के वीरांगना अवंतीबाई मेडिकल कॉलेज में मौत हो गई। उसके शव को उसका आठ वर्षीय पुत्र शनि अकेला लेकर पोस्टमार्टम के लिए पहुंचा।

जैथरा के थानाध्यक्ष रितेश ठाकुर के अनुसार, नीलम पिछले करीब एक माह से गंभीर बीमारी से पीड़ित थीं और इलाज के लिए फर्रुखाबाद स्थित अपने पिता के घर पर रह रही थीं। हालत बिगड़ने पर वह पांच दिन पूर्व अपने गांव जैथरा लौटीं और वहां से मेडिकल कॉलेज एटा में आकर भर्ती हो गईं, जहां उपचार के दौरान बुधवार को उन्होंने दम तोड़ दिया। ठाकुर ने बताया कि नीलम की मौत के समय उसके साथ अस्पताल में केवल उसका आठ वर्षीय पुत्र शनि मौजूद था। मां की मौत के बाद बच्चा पूरी तरह अकेला पड़ गया। अस्पताल

कर्मियों ने घटना की सूचना थाना जैथरा पुलिस को दी, जिस पर तत्काल पुलिसकर्मियों को भेजकर पंचनामा और आगे की विधिक प्रक्रिया पूरी कराई गई। शनि ने पुलिस और पत्रकारों को बताया कि उसकी एक बहन राखी (15) है, जो ननिहाल (ग्राम नारायणपुर, जनपद फर्रुखाबाद) में रहती है। उसके पास किसी भी परिजन का मोबाइल नंबर नहीं था और वह किसी से संपर्क करने की स्थिति में नहीं था। पोस्टमार्टम गृह पर शनि ने बताया कि कोई नहीं होने के कारण वह अकेले ही अपनी मां को पोस्टमार्टम के लिए लेकर आया है। पुलिस के अनुसार नीलम के पति सुरेंद्र की मौत करीब आठ माह पूर्व हुई थी। वह भी एचआईवी से पीड़ित था। नीलम भी एचआईवी संक्रमित थी।

मौनी अमावस्या मेले में होगा भव्य राम-राम कुश्ती महादंगल का आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के डुमरियागंज स्थित राप्ती नदी तट स्थित परशुराम वाटिका में मौनी अमावस्या के अवसर पर लगने वाले पारंपरिक मेले में इस वर्ष भी धर्म रक्षा मंच के तत्वाधान में भव्य राम-राम कुश्ती महादंगल का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन को लेकर शुक्रवार को दंगल स्थल का निरीक्षण पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह, उपजिलाधिकारी राजेश कुमार, पुलिस क्षेत्राधिकारी बृजेश कुमार वर्मा, प्रभारी निरीक्षक श्रीप्रकाश यादव एवं ईओ सचिन कुमार पटेल के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। निरीक्षण के दौरान मंच, दर्शकों के बैठने की व्यवस्था, स्वच्छता, यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया और संबंधित जिम्मेदारों को सभी तैयारियां समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यक्रम को सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं भव्य रूप देने पर विशेष जोर दिया।

पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी मौनी अमावस्या के पावन अवसर पर 17 व 18 जनवरी को दो दिवसीय राम-राम कुश्ती महादंगल का आयोजन किया गया है। इस महादंगल में देश-विदेश के मशहूर पहलवान भाग लेंगे और अपने दांव-पेंच व कुश्ती कौशल का प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने बताया कि इस बार कई नामी पहलवानों का आगमन सुनिश्चित है, साथ ही स्थानीय पहलवानों को भी अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर धर्म रक्षा मंच के संरक्षक द्वारा आयोजन से संबंधित बैठक कर विभिन्न पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को उनकी जिम्मेदारियां सौंपी गईं, ताकि कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हो सके। निरीक्षण एवं बैठक के दौरान लवकुश ओझा, चन्द्र प्रकाश उर्फ चंदू चौधरी, धर्मराज वर्मा, दीपेंद्र विक्रम सिंह, दिलीप पाण्डेय, तिलक बाबा, शैलेश सिंह, शत्रुहन सोनी, हरीश पाण्डेय, राजन अग्रहरि सहित कई लोग मौजूद रहे।

सारी सुरक्षा , नारी सम्मान को लेकर पुलिस ने महिलाओं व बालिकाओं को किया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन, महिलाओं एवं बालिकाओ की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण में क्षेत्राधिकारी बांसी रोहिणी यादव जी के कुशल नेतृत्व में व थानाध्यक्ष मीरा चौहान द्वारा मिशन शक्ति व जन चौपाल मे नए कानून के अन्तर्गत महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत थाना क्षेत्र जोगिया उदयपुर के ग्राम करौंदा मशीना टोला कालीपुरवा में महिलाओं /बच्चियों को एकत्रित कर चौपाल लगाकर बालिकाओं/महिलाओं को नए कानून के बारे मे बताते हुवे मिशन शक्ति के तहत सरकार के विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे मे जानकारी दिया गया व जागरूक किया गया जैसे कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना रानी लक्ष्मी बाई बाल एवं महिला सम्मान कोष नारी शक्ति वंदन अधिनियम मातृ शक्ति को सम्बल निराश्रित महिला पेंशन योजना मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना आदि अन्य योजनाओ से संबंधी जानकारी को बताया गया तथा मिशन शक्ति फेज 5.0 कार्यक्रम के अंतर्गत बहु बेटी सम्मेलन आयोजित किया गया तथा उनके अधिकार के बारे में बताया गया व उनको जागरूक किया गया जानकारी देते हुए विभिन्न हेल्पलाइन नंबर- 112, पुलिस आपातकालीन सेवा 1090, वूमेन पावर हेल्पलाइन 1076, माननीय मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 108, एंबुलेंस सेवा 1930, साइबर अपराध हेल्पलाइन 1098, चाइल्ड हेल्पलाइन 102, स्वास्थ्य सेवा 181 वीमेन हेल्पलाइन 101अग्निशमन सेवा के बारे में उप निरीक्षक आनंद शाही, आरक्षी प्रदीप उपाध्याय, महिला आरक्षी सुशीला कुशवाहा, स्वेता ने जागरूक किया।

पुलिस ने जन चौपाल के माध्यम से महिलाओं और बालिकाओं को किया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओ की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण में क्षेत्राधिकारी बांसी रोहिनी यादव तथा थानाध्यक्ष अनूप कुमार मिश्र थाना खेसरहा के कुशल नेतृत्व में मिशन शक्ति के अन्तर्गत महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत थाना क्षेत्र के ग्राम झहराव में जन चौपाल आयोजन किया गया तथा कार्यक्रम को सकुशल सम्पन्न कराया गया तथा महिलाए व बलिकाए आदि लोग उपस्थित थे, जिन्हे महिला सम्बन्धित नये कानून व महिला सम्बन्धित अपराध, साइबर अपराध जागरूकता कार्यक्रम के तहत उपस्थित उपरोक्त महिला सशक्तिकरण सम्बन्धित बातों को बताते हुए मिशन शक्ति फेज 5.0 कार्यक्रम के अंतर्गत निम्न हेल्पलाइन नंबर, महिला से सम्बन्धित कानून व नए कानून के बारे मे जानकारी दी गई तथा वहां उपस्थित महिलाओं व बालिकाओं को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदत्त किये गये कल्याणकारी योजनाओं व विधियों के तहत जागरूक किया गया।

लेदवा गांव में चौपाल कार्यक्रम औपचारिकता बनकर रह गया, ग्रामीणों में नाराजगी

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के अन्तर्गत विकास खण्ड शोहरतगढ़ क्षेत्र के ग्राम पंचायत लेदवा में आयोजित चौपाल कार्यक्रम महज औपचारिकता बनकर रह गया। यह कार्यक्रम मात्र 20 मिनट में ही समाप्त हो गया, जिससे ग्रामीणों में भारी नाराजगी देखने को मिली।

कार्यक्रम में केवल ग्राम पंचायत अधिकारी अजय भारतीया व आंगनबाड़ी की सुपरवाइजर, कोटेदार ही उपस्थित रहे, जबकि अन्य संबंधित कर्मचारी नदारद नजर आए। वहीं ग्रामीणों की भागीदारी भी तीन से चार महिलाएं रही।चौपाल में मात्र चार महिलाएं उपस्थित हुईं, जबकि अधिकांश ग्रामीण कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके।

क्यों कि उन लोगों को चौपाल की जानकारी ही नहीं थी।ग्रामीणों का कहना है कि चौपाल का मुख्य उद्देश्य जनसमस्याओं को सुनना और मौके पर समाधान करना होता है, लेकिन अधिकारियों की अनुपस्थिति और जल्दबाजी में कार्यक्रम समेट दिए जाने से लोगों का भरोसा कमजोर हो रहा है।ग्रामीणों ने मांग की है कि भविष्य में चौपाल कार्यक्रम को गंभीरता से और पूर्ण जिम्मेदारी के साथ आयोजित किया जाए ताकि आम जनता अपनी समस्याएं खुलकर रख सके और उन्हें त्वरित समाधान मिल सके।इस संबंध में जब जिम्मेदार अधिकारियों से संपर्क करने का प्रयास किया गया तो कोई संतोषजनक प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी। इस दौरान ग्राम पंचायत अधिकारी अजय भारतीया, ग्राम प्रधान शौकीलाल, रोजगार सेवक गजहड़ा शिवनायन साहनी, कोटेदार राम प्रकाश व आंगनबाड़ी सुपरवाइजर आदि मौजूद रहें।

ईवीएम में खेल, मतदाता सूचियों से नाम साफ!

बीएमसी चुनाव पर संजय राउत के आरोपों से मचा हड़कंप

मुम्बई **(एजेंसी)**। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने शुक्रवार को बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनावों के संचालन पर गंभीर आरोप लगाते हुए मतदाता सूचियों में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) की खराबी और आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का दावा किया। परिणाम दिवस पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए राउत ने कहा कि मुंबई में जो मतदान पैटर्न देखने को मिल रहा है वह 'एक गंभीर मामला' है। उन्होंने आरोप लगाया कि उन क्षेत्रों में हजारों मतदाताओं के नाम मतदाता सूचियों से गायब हैं जहां शिवसेना (यूबीटी), महाराष्ट्र नवीन निर्माण सेना (एमएनएस) और कांग्रेस को पारंपरिक रूप से मजबूत समर्थन प्राप्त है। संजय राउत ने आरोप लगाया कि हजारों लोगों के नाम, जिन्होंने विधानसभा चुनावों में भी मतदान किया है, मतदाता सूची से गायब हैं। यह विशेष रूप से उन क्षेत्रों में हो रहा है जहां शिवसेना (यूबीटी), एमएनएस या कांग्रेस के वोट अधिक हैं। राउत ने यह भी दावा किया कि कई मतदान केंद्रों पर ईवीएम में खराबी आ रही थी। उन्होंने कहा कि जहां एनसीपी के लिए वोट बटन दबाया गया, वहां भाजपा के लिए लाइट जल गई।

शिवसेना (यूबीटी) के मशाल चिन्ह और एमएनएस के इंजन चिन्ह के साथ भी ऐसा ही हुआ। उन्होंने आगे कहा कि चुनाव आयोग को बार-बार शिकायतें करने के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हुई।

वरिष्ठ भाजपा नेताओं और मुंबई नगर आयुक्त भूषण गगरानी के बीच हुई बैठक पर सवाल उठाते हुए राउत ने आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाया। उन्होंने पूछा, 'कल शाम करीब 6 बजे वरिष्ठ भाजपा नेताओं और मुंबई नगर आयुक्त के बीच बैठक हुई। ऐसा क्यों? आचार संहिता अभी भी लागू है। आप आयुक्त के साथ डेढ़ घंटे बैठे और क्या तय किया? क्या आपने आज के नतीजे पहले ही तय कर लिए?'

राउत ने एग्जिट पोल के समय को लेकर भी चिंता जताई और दावा किया कि आधिकारिक मतदान प्रतिशत घोषित होने से पहले ही उन्हें जारी कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि मतदान प्रतिशत घोषित होने से पहले ही एग्जिट पोल के नतीजे आ गए। ये क्या हो रहा है? कुछ जगहों पर मतदान जारी रहने के दौरान ही एग्जिट पोल आ गए, लेकिन भाजपा से जुड़े मीडिया संस्थानों ने इन्हें एक-एक करके जारी करना शुरू कर दिया। भाजपा नेता अपनी जीत का जश्न मनाने लगे। ये किस तरह का लोकतंत्र है?

बीएमसी चुनाव : ठाकरे बंधुओं के गठबंधन पर भाजपा का तंज, पाटिल बोले- 'जनता स्वार्थ समझ चुकी है'

मुम्बई **(एजेंसी)**। महाराष्ट्र के मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता चंद्रकांत पाटिल ने शुक्रवार को बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के हाल ही में संपन्न हुए चुनावों में दो पूर्व-विमुख चचेरे भाइयों, उद्धव और राज ठाकरे के गठबंधन पर संदेह जताया। पाटिल ने दावा किया कि लोगों को शिवसेना (यूबीटी)-महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) का गठबंधन जनहित के बजाय स्वार्थपूर्ण उद्देश्यों से प्रेरित लग रहा है। पाटिल ने एएनआई से कहा कि चाहे ठाकरे भाई एक साथ आएं या कांग्रेस और एनसीपी गठबंधन करें, यह जनता के हित में नहीं है। लोगों को समझ आ गया है कि यह उनके अपने स्वार्थों के लिए है।

भाजपा-शिवसेना (एकनाथ शिंदे) गठबंधन पर विश्वास जताते हुए मंत्री ने कहा कि गठबंधन 114 सीटों के बहुमत के आंकड़े को पार कर जाएगा और बीएमसी में कुल 130 सीटें जीतने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, 'यह संख्या बढ़ सकती है, लेकिन घटेगी नहीं।' बीएमसी चुनावों के अलावा, महाराष्ट्र के 28

अन्य नगर निगमों में भी मतदान हुआ। इन निगमों के वोटों की गिनती जारी है। पुणे नगर निगम के नतीजों के बारे में पूछे जाने पर, पाटिल ने भाजपा की आरामदायक बढ़त बनाए रखने का भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि मुंबई में भाजपा को 90 सीटें और शिवसेना को 40 सीटें मिलेंगी; यह संख्या बढ़ सकती है लेकिन घटेगी नहीं। पुणे में हमें 115 से कम सीटें नहीं मिलेंगी।

उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) ने राज ठाकरे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के साथ गठबंधन करने का फैसला किया था। यह गठबंधन 'मराठी पहचान को बचाने' के नारे पर आधारित था। राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) के शुरुआती रुझानों से संकेत मिलता है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शहर की 38 सीटों पर आगे चल रही है, जहां पवार परिवार ने स्थानीय निकाय चुनावों में एक साथ चुनाव लड़ा था।

शुरुआती रुझानों के अनुसार, एनसीपी अब तक 5 सीटों पर आगे चल रही है, जबकि कांग्रेस किसी भी सीट पर बढ़त हासिल नहीं कर पाई है। पीएमसी और पीसीएमसी दोनों के पिछले चुनाव आठ साल पहले, 2017 में हुए थे। वर्तमान में केंद्रीय नागरिक उड्डयन और सहकारिता राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल नवंबर 2019 तक पुणे के महापौर रहे थे। इस बीच, मुंबई में बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनावों में मतगणना के शुरुआती रुझानों के अनुसार, सुबह 11 बजे तक प्रारंभिक आंकड़ों के आधार पर भारतीय जनता पार्टी-शिव सेना महायुति गठबंधन लगभग 75 वार्डों में आगे चल रहा है।

बीएमसी चुनाव : रामदास अठावले का बड़ा दावा 'मुंबई का अगला मेयर महायुति से ही होगा'

मुम्बई **(एजेंसी)**। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने शुक्रवार को विश्वास जताया कि मुंबई के मेयर महायुति गठबंधन से ही चुने जाएंगे। उन्होंने कहा कि बीएमसी चुनावों में अधिकांश सीटें महायुति गठबंधन को ही मिल रही हैं। अठावले ने कहा कि उद्धव ठाकरे के भाजपा और आरपीआई (ए) के साथ गठबंधन ने उन्हें दशकों तक मुंबई में सत्ता में बने रहने में मदद की। एएनआई से बात करते हुए अठावले ने कहा कि आज महाराष्ट्र भर में नगर निगम चुनावों के लिए मतगणना चल रही है। मुंबई की बात करें तो उद्धव ठाकरे 25-30 साल तक सत्ता में रहे। वे भाजपा के साथ गठबंधन में रहकर सत्ता में रहे। आज भाजपा देश की नंबर एक पार्टी है।

रामदास अठावले ने कहा कि आरपीआई(ए) 2012 से उद्धव ठाकरे के साथ थी, इसीलिए वे सत्ता में बने रहे, लेकिन आज न तो भाजपा और न ही आरपीआई(ए) उनके साथ है। उद्धव ठाकरे ने अब राज ठाकरे के साथ गठबंधन किया है, जिससे उन्हें कुछ मराठी भाषी क्षेत्रों में फायदा मिलता दिख रहा है, लेकिन अधिकतर सीटें महायुति गठबंधन के खाते में जा रही हैं। मुंबई के मेयर महायुति गठबंधन से होंगे और मराठी भाषी होंगे।

महायुति गठबंधन, जिसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना शामिल है, ने बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) में अपनी बढ़त और मजबूत कर ली है। प्रारंभिक आंकड़ों से संकेत मिलता है कि गठबंधन मुंबई के 117 वार्डों में आगे चल रहा है। मुंबई में भाजपा 86 सीटों पर आगे है, जबकि शिवसेना 31 सीटों पर आगे है। शिवसेना (यूबीटी) गठबंधन 68 का आंकड़ा पार करने में कामयाब रहा है, जबकि महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) केवल 9 सीटों पर, यूबीटी सेना 58 सीटों पर और एनसीपी (एसपी) केवल 1 सीट पर आगे है। इसी तरह, अजीत पवार की एनसीपी भी 1 सीट पर आगे है, जबकि कांग्रेस पार्टी का प्रदर्शन निराशाजनक बना हुआ है और वह केवल 10 सीटों पर ही आगे है।

बीएमसी चुनाव में जीत के लिए फडणवीस-शिंदे को बधाई, 'महायुति' सरकार होगी मजबूत : गडकरी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने महाराष्ट्र में बीएमसी सहित 29 निकायों के चुनाव में भाजपा-शिवसेना गठबंधन की बढ़त के रुझानों के बीच राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ-साथ पार्टी कार्यकर्ताओं को भी बधाई दी।

गडकरी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में महाराष्ट्र की प्रगति की यात्रा को और भी अधिक मजबूती मिलेगी।

उन्होंने नगर निकाय चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और शिवसेना के शानदान प्रदर्शन के लिए फडणवीस, शिंदे, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण, राज्य के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले और सभी पार्टी कार्यकर्ताओं को बधाई दी।

गडकरी ने कहा कि वह राज्य की जनता के प्रति आभारी हैं, जिन्होंने विकास को प्राथमिकता देते हुए भाजपा नीत महायुति पर भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि यह जीत महायुति सरकार को और भी अधिक गति प्रदान करेगी, जो विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रही है।

गडकरी ने कहा, 'मुझे विश्वास है कि प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री फडणवीस के नेतृत्व में महाराष्ट्र की प्रगति की यात्रा को और भी अधिक मजबूती मिलेगी।' महाराष्ट्र में 29 महानगरपालिकाओं के चुनाव के लिए मतदान बृहस्पतिवार को हुआ था। वोटों की गिनती शुक्रवार सुबह शुरू हुई, जो खबर लिखे जाने तक जारी थी।

इंदौर में दूषित पेयजल पीड़ितों से मिलेंगे राहुल गांधी, सम्मेलन को प्रशासन की 'ना' : कांग्रेस

भोपाल **(एजेंसी)**। इंदौर के भागीरथपुरा इलाके में दूषित पेयजल से उल्टी-दस्त प्रकोप के कारण कई लोगों की मौत के बाद लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी शनिवार को शहर के पीड़ित परिवारों और मरीजों से मुलाकात करेंगे। कांग्रेस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने संवाददाताओं से बातचीत में दावा किया कि भागीरथपुरा में दूषित पेयजल से अब तक 24 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि आठ से 10 मरीजों की हालत बेहद गंभीर है।

उन्होंने बताया कि गांधी शनिवार को इंदौर पहुंचकर निजी क्षेत्र के बॉम्बे हॉस्पिटल जाएंगे और उल्टी-दस्त के प्रकोप के कारण भर्ती मरीजों से मिलकर उनका हालजानेंगे। पटवारी ने बताया कि पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष भागीरथपुरा भी पहुंचेंगे और पीड़ित परिवारों से मुलाकात करके उनके प्रति शोक संवेदनाएं व्यक्त करेंगे। उन्होंने कहा, ''हम दूषित पेयजल की समस्या के समाधान पर सकारात्मक चर्चा के लिए गांधी की मौजूदगी में बुद्धिजीवियों, पर्यावरणविदों और राज्य भर के नगर निगम पार्षदों का एक सम्मेलन आयोजित करना चाहते थे, लेकिन हमें प्रशासन ने इस आयोजन की अनुमति नहीं दी। इसलिए हम बाद में यह सम्मेलन आयोजित करेंगे।''

पटवारी ने दावा किया कि पूरे प्रदेश में 70 प्रतिशत पानी दूषित होने के कारण पीने योग्य नहीं है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने दूषित पेयजल को 'धीमा जहर' करार देते हुए दावा किया कि इससे लोगों की किडनी और अन्य अंगों को गंभीर नुकसान पहुंच रहा है। पटवारी ने संस्कृत की मशहूर कहावत 'विनाश काले विपरीत बुद्धि' का हवाला देते हुए प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी सरकार पर निशाना साधा और कहा, इंदौर में दूषित पेयजल से कई लोगों की मौत के बावजूद राज्य के मंत्री भव्य आयोजनों में व्यस्त हैं और वे हमें गालियां देकर कह रहे हैं कि हम इस घटना को लेकर सवाल क्यों उठा रहे हैं? शहर के भागीरथपुरा इलाके में दूषित पेयजल से लोगों के बीमार पड़ने का सिलसिला दिसंबर के आखिर में शुरू हुआ था।

महिला क्रिकेट में बदलाव की मांग : न्यूजीलैंड की क्रिकेटर ने फील्डिंग नियमों और बाउंड्री साइज पर उठाए सवाल

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। महिला क्रिकेट तेजी से बदल रहा है। खेल की रफ्तार, खिलाड़ियों की ताकत और दर्शकों की दिलचस्पी तीनों में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। इसी बदलते परिदृश्य के बीच न्यूजीलैंड की कप्तान और अनुभवी ऑलराउंडर सोफी डिवाइन ने मौजूदा फील्डिंग नियमों और बाउंड्री के आकार को लेकर अहम सवाल खड़े किए हैं। उनका मानना है कि वर्तमान परिस्थितियां बल्लेबाजों के पक्ष में अत्यधिक झुकी हुई हैं, जिससे गेंदबाजों के लिए संतुलन बनाना मुश्किल हो गया है। डिवाइन की यह टिप्पणी महिला क्रिकेट में संभावित सुधारों पर एक नई बहस को जन्म दे सकती है।

फिलहाल महिला क्रिकेट में नॉन-पावरप्ले ओवरों के दौरान इनर सर्कल के बाहर सिर्फ चार फील्डर रखने की अनुमति है। यह नियम ज्यादा रन और बाउंड्री को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लागू किया गया था। हालांकि, सोफी डिवाइन का मानना है कि खेल अब उस स्तर तक पहुंच चुका है जहां इस नियम की समीक्षा जरूरी हो गई है। डिवाइन के अनुसार, बल्लेबाजों की पावर और शॉट-मेकिंग क्षमता में जिस तरह का इजाफा हुआ है, उसे देखते हुए बाहर पांच फील्डर रखने की इजाजत देने से खेल की प्रतिस्पर्धा पर कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ेगा।

महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में बाउंड्री की अधिकतम लंबाई 60 मीटर तय की गई है, जबकि पुरुष क्रिकेट में यह दूरी 70 से 77 मीटर तक होती है। डिवाइन का मानना है कि छोटी बाउंड्री और सीमित फील्डिंग विकल्पों का मेल गेंदबाजों के लिए मुश्किलें बढ़ा देता है। उन्होंने कहा कि खासकर सपाट पिचों पर गेंदबाजों के पास गलती की गुंजाइश बेहद कम रह जाती है, क्योंकि हल्की सी चूक भी आसानी से बाउंड्री में तब्दील हो जाती है।

डिवाइन ने स्वीकार किया कि आधुनिक महिला क्रिकेट में बल्लेबाजों की ताकत और आक्रामकता काबिल-ए-तारीफ है, लेकिन मौजूदा नियमों के कारण खेल का संतुलन एकतरफा होता जा रहा है। उनके मुताबिक, अगर गेंदबाजों को मुकाबले में बनाए रखना है तो फील्डिंग सेटअप और बाउंड्री डाइमेंशन दोनों पर गंभीरता से विचार करना होगा।

डब्ल्यूपीएल 2026 की नीलामी में गुजरात जायंट्स द्वारा खरीदी गई सोफी डिवाइन इस सीजन बेहतरीन लय में नजर आ रही हैं। वह टूर्नामेंट के टॉप रन-स्कोरर्स और विकेट-टेकरों में शामिल हैं। व्यक्तिगत सफलता के बावजूद, उन्होंने गेंदबाजों की चुनौतियों पर खुलकर बात की, जो उनके अनुभव और खेल की समझ को दर्शाता है। डिवाइन ने डब्ल्यूपीएल में 'रिटायर्ड-आउट' रणनीति के बढ़ते इस्तेमाल पर भी अपनी राय रखी। हाल के मैचों में इस फैसले को लेकर बहस छिड़ी है, लेकिन डिवाइन का मानना है कि अगर यह कदम टीम के हित में और रणनीतिक रूप से उठाया जाए तो यह पूरी तरह जायज है। उन्होंने कहा कि किसी भी निर्णय का मकसद टीम को मोमेंटम देना और मैच की स्थिति का सही फायदा उठाना होना चाहिए।

बीबीएल में स्टीव स्मिथ का तूफान, 107 मीटर के सिक्स सहित जड़ा रिकॉर्डतोड़ शतक

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह सिर्फ क्लासिक बल्लेबाज़ ही नहीं, बल्कि आधुनिक टी20 क्रिकेट के सबसे खतरनाक हिटर भी हैं। बिग बैश लीग 2025-26 के सिडनी डर्बी में स्मिथ ने ऐसी पारी खेली जिसने दर्शकों को हैरान और गेंदबाजों को बेबस कर दिया। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर थंडर के खिलाफ खेलते हुए, सिक्सर्स के कप्तान ने टूर्नामेंट इतिहास का संयुक्त रूप से दूसरा सबसे तेज़ शतक जड़कर मुकाबले की पूरी कहानी बदल दी।

स्टीव स्मिथ ने सिर्फ 41 गेंदों में अपना शतक पूरा किया, जो बीबीएल के इतिहास में संयुक्त रूप से दूसरा सबसे तेज़ शतक है। इससे पहले 2024 में जोश ब्राउन ने भी इतनी ही गेंदों में सेंचुरी बनाई थी। केवल क्रेग सिमंस और मिशेल ओवेन ही ऐसे बल्लेबाज़ हैं जिन्होंने 39 गेंदों में शतक जड़कर स्मिथ से तेज यह उपलब्धि हासिल की है। यह शतक न सिर्फ तेज था, बल्कि स्मिथ के करियर की सबसे आक्रामक पारियों में से एक माना जा रहा है।

मैच का सबसे यादगार पल चौथे ओवर में आया, जब स्मिथ ने नाथन मैकएंड्र्यू की गेंद पर फ्रंट फुट हटाकर मिड-विकेट के ऊपर 107 मीटर लंबा छक्का जड़ दिया। यह छक्का पूरे स्टेडियम में चर्चा का विषय बन गया और सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हुआ। स्मिथ की फुटवर्क, टाइमिंग और ताकत का यह शानदार मिश्रण गेंदबाजों के लिए चेतावनी बन गया।

स्मिथ ने इस पारी के साथ सिडनी सिक्सर्स के लिए सबसे तेज़ बीबीएल शतक का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। उन्होंने 2023 में थंडर के खिलाफ बनाए गए 56 गेंदों के अपने ही पुराने रिकॉर्ड को तोड़ दिया। वह 42 गेंदों में 100 रन बनाकर आउट हुए, जिसमें पांच चौके और नौ गगनचुंबी छक्के शामिल थे। उनकी पारी का अंत लेग स्पिनर तनवीर संघा ने किया।

12वें ओवर में स्मिथ ने रयान हैडली की गेंदों पर 32 रन ठोक दिए, जो बीबीएल इतिहास का सबसे महंगा ओवर बन गया। इस ओवर में उन्होंने तीन छक्के, एक चौका और शानदार टाइमिंग के साथ रन बटोरे। इस ओवर ने मैच को पूरी तरह सिक्सर्स के पक्ष में झुका दिया।

स्मिथ की विस्फोटक बल्लेबाज़ी की बदौलत सिडनी सिक्सर्स ने 190 रन का लक्ष्य सिर्फ पांच विकेट खोकर हासिल कर लिया। स्मिथ ने मात्र 23 गेंदों में अर्धशतक पूरा कर रन चेज की नींव रखी। बाबर आजम ने 47 रनों की संयमित पारी खेली, जबकि लैचलान शॉ और जैक एडवर्ड्स के छोटे लेकिन अहम योगदान ने जीत को आसान बना दिया। सिक्सर्स ने 16 गेंदें शेष रहते मुकाबला अपने नाम कर लिया।

विप्रो का तीसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 7 प्रतिशत घटकर 3, 119 करोड़ रुपए

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। सूचना प्रौद्योगिकी सेवा कंपनी विप्रो का वित्त वर्ष 2025-26 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ सात प्रतिशत घटकर 3, 119 करोड़ रुपए रहा। यह गिरावट नई श्रम संहिता के लागू होने के कारण 302.8 करोड़ रुपए के एकमुश्त अस्थायी प्रावधान के कारण आई है। बेंगलुरु स्थित कंपनी का 2024-25 की तीसरी (अक्टूबर-दिसंबर) तिमाही में शुद्ध लाभ 3, 353.8 करोड़ रुपए रहा था।

कंपनी ने शुक्रवार को बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में विप्रो की परिचालन आय 5.5 प्रतिशत बढ़कर 23, 555.8 करोड़ रुपए हो गई जबकि गत वित्त वर्ष 2024-25 की इसी अवधि में यह 22, 318.8 करोड़ रुपए थी। तिमाही आधार पर विप्रो का मुनाफा 3.9 प्रतिशत घटा जबकि राजस्व में 3.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। विप्रो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक (एमडी) श्रीनि पल्लिया ने कहा, ''तीसरी तिमाही में हमने अपनी अपेक्षाओं के अनुरूप व्यापक वृद्धि दर्ज की। जैसे-जैसे कृत्रिम मेधा (एआई) एक रणनीतिक अनिवार्यता बनता जा रहा है 'विप्रो इंटेलिजेंस' एक विशिष्ट भूमिका निभा रहा है। इसने इस तिमाही में भी कई सफलताओं में योगदान दिया है। हमने अपने एआई-सक्षम मंचों और समाधानों को अपनाया। 'विंग्स' और 'वेगा' के माध्यम से एआई-आधारित सेवाओं का विस्तार किया और वैश्विक स्तर पर अपने नवाचार नेटवर्क को बढ़ाया है।''

इसकी टीसीएस, इन्फोसिस और एचसीएलटेक जैसी बड़ी प्रतिद्वंद्वी कंपनियों के तीसरी तिमाही के नतीजों में भी नए श्रम संहिता के लागू होने का महत्वपूर्ण प्रभाव दिखा है। टीसीएस को वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में नए श्रम संहिता के लागू होने से 2, 128 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ जबकि इन्फोसिस ने 1, 289 करोड़ रुपए का नुकसान उठाया। एचसीएलटेक ने भी कार्यान्वयन से संबंधित 8.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर (लगभग 719 करोड़ रुपए) के एकमुश्त प्रावधान की जानकारी दी है।

शेयर बाजार में तेजी, सेंसेक्स 187 अंक उछलकर 83, 570 के स्तर बंद

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय शेयर बाजारों में शुक्रवार, 16 जनवरी को जोरदार तेजी देखने को मिली। कारोबार के दौरान बीएसई सेंसेक्स करीब 700 अंकों तक उछल गया, जबकि निफ्टी 25, 850 के अहम स्तर के ऊपर पहुंच गया। आईटी शेयरों में दमदार खरीदारी के चलते पूरे बाजार में तेजी का माहौल रहा।

कारोबार के अंत में सेंसेक्स 187 अंक यानी 0.23 फीसदी की बढ़त के साथ 83, 570 के स्तर पर आ गया। वहीं निफ्टी 28 अंक या 0.11 फीसदी चढ़कर 25, 694 के स्तर पर बंद हुआ।

आज की तेजी की सबसे बड़ी वजह आईटी शेयरों में मजबूत खरीदारी रही। इंफोसिस के शेयर 5 फीसदी से ज्यादा उछले, जो पिछले चार महीनों में इसकी सबसे बड़ी तेजी है। कंपनी ने दिसंबर तिमाही में बेहतर नतीजे पेश किए और पूरे वित्त वर्ष के लिए रेवेन्यू ग्रोथ आउटलुक को 2-3 फीसदी से बढ़ाकर 3-3.5 फीसदी कर दिया।

इसका असर पूरे आईटी सेक्टर पर दिखा। निफ्टी आईटी इंडेक्स के सभी 10 शेयर हरे निशान में रहे और इंडेक्स करीब 3 फीसदी चढ़कर 38, 851.85 पर पहुंच गया। यह दिन का टॉप सेक्टोरल गेनर रहा।

वेल्थमिल्स सिक्योरिटीज के इक्विटी स्ट्रैटेजी डायरेक्टर क्रांति बाथिनी ने रॉयटर्स से कहा, 'इन्फोसिस के नतीजों और मैनेजमेंट कमेंट्री से बाजार को मजबूती मिली है। आईटी शेयरों के वैल्यूएशन आकर्षक हैं, जिससे खरीदारी और शॉर्ट कवरिंग देखने को मिल रही है।'

डेलॉयट ने आगामी बजट में एमएसएमई निर्यात के लिए ऋण बढ़ाने का दिया सुझाव

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में व्यापारिक स्थिरता बढ़ाने एवं बाहरी कमजोरियों को कम करने के लिए निर्यात ऋण तथा रियायती वित्तपोषण के माध्यम से छोटे उद्यमों को समर्थन देने के साथ-साथ महत्वपूर्ण खनिजों की खोज के लिए वित्तपोषण जैसे उपायों पर विचार किया जाना चाहिए। वित्तीय परामर्श एवं सलाहकार कंपनी डेलॉयट इंडिया ने यह बात कही। डेलॉयट ने बजट को लेकर अपनी आकांक्षाओं पर कहा कि भारत के निर्यात में सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) का 46 प्रतिशत हिस्सा है और कृषि के बाद ये दूसरे सबसे बड़े नियोक्ता हैं। वित्तीय एवं अनुपालन संबंधी दबावों को कम करने से इन उद्यमों को वैश्विक अस्थिरता से निपटने, उत्पादन बनाए रखने और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रतिस्पर्धी बने रहने में मदद मिलेगी।

कंपनी ने कहा, ''एमएसएमई को मजबूत करने से रोजगार सुरक्षित होंगे और समावेशी आर्थिक वृद्धि को गति मिलेगी, ग्रामीण आय में वृद्धि होगी तथा भारत की वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने की महत्वाकांक्षा को समर्थन मिलेगा।'' डेलॉयट ने अंतिम छोर तक एमएसएमई की प्रतिस्पर्धा को बेहतर बनाने और सरलीकृत डिजिटल प्रक्रियाओं के माध्यम से अनुपालन बोझ को कम करने के लिए व्यापक प्रशिक्षण का सुझाव दिया। इसने यह भी सुझाव दिया कि शुल्क के प्रति संवेदनशील

क्षेत्रों (तैयार वस्त्र, रत्न, आभूषण, चमड़ा) को लक्षित निर्यात प्रोत्साहन या बढ़ी हुई शुल्क छूट प्रदान की जाए। डेलॉयट की अर्थशास्त्री रुमकी मजूमदार ने कहा कि बढ़ते वैश्विक संरक्षणवाद एवं तदर्थ उपायों (शुल्क में बढ़ोतरी, उत्पत्ति नियमों में बदलाव एवं गैर-शुल्क बाधाएं) से भारतीय निर्यातकों के लिए अनिश्चितता बढ़ जाती है।

वैश्विक व्यापारिक टकरावों का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि पर प्रत्यक्ष प्रभाव 0.40 प्रतिशत से 0.80 प्रतिशत तक सीमित हो सकता है लेकिन एमएसएमई और रोजगार पर इसका व्यापक प्रभाव पड़ सकता है।'' महत्वपूर्ण खनिजों को सुरक्षित करने और वैकल्पिक ऊर्जा आपूर्ति तक पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से डेलॉयट ने विदेशी अधिग्रहण एवं प्रौद्योगिकी सहयोग को वित्तपोषित करने के लिए एक समर्पित महत्वपूर्ण खनिज कोष के आवंटन का सुझाव दिया।

1 अप्रैल 2026 से सिबिल स्कोर को लेकर बड़ा बदलाव, आरबीआई का नया नियम लागू होगा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। 1 अप्रैल 2026 से देश का क्रेडिट सिस्टम पूरी तरह बदलने जा रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने क्रेडिट सिस्टम को और अधिक रियल-टाइम और पारदर्शी बनाने के लिए बड़ा बदलाव करने का फैसला किया है। 1 अप्रैल 2026 से लागू होने वाले इस नए नियम के तहत लोगों का सिबिल और अन्य क्रेडिट स्कोर अब हर हफ्ते अपडेट होगा। इसका मतलब यह है कि आपकी फाइनेंशियल आदतें - चाहे अच्छी हों या बुरी - अब तुरंत रिकॉर्ड में दिखाई देंगी। इससे न सिर्फ बैंकों को बल्कि आम ग्राहकों को भी फायदा होगा, क्योंकि लोन या क्रेडिट कार्ड अप्रूवल में तेजी आएगी और वित्तीय व्यवहार पर असर तुरंत नजर आएगा।

अब तक जब भी कोई व्यक्ति ईएमआई समय पर भरता था या कोई बकाया चुकाता था, तो उसका असर क्रेडिट स्कोर में दिखने में 10 से 15 दिन तक लग जाते थे। कई बार लोग सुधार कर लेते थे, लेकिन स्कोर अपडेट होने में देरी की वजह से उन्हें लोन या क्रेडिट कार्ड के लिए इंतजार करना पड़ता था। आरबीआई के नए नियम के बाद यह इंतजार खत्म होने वाला है और क्रेडिट स्कोर कहीं ज्यादा तेजी से बदलेगा।

अप्रैल 2026 से देश की सभी क्रेडिट इन्फॉर्मेशन कंपनियां, जैसे ट्रांसयूनियन सिबिल और एक्सपेरियन, अब हर 15 दिन की जगह हर हफ्ते कस्टमर का डेटा अपडेट करेंगी। महीने में कुल पांच बार क्रेडिट जानकारी रिफ्रेश की जाएगी। इसके लिए 7, 14, 21 और 28 तारीख तय की गई हैं। इसका मतलब यह है कि अब स्कोर अपडेट होने में देरी नहीं होगी और किसी भी बदलाव का असर तुरंत नजर आएगा।

सूर्यकुमार पर विवादित बयान देने वाली अभिनेत्री बुरी फंसी, 100 करोड़ का मानहानि का केस दर्ज

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय क्रिकेट टीम के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव का नाम हाल ही में एक विवाद से जुड़ गया है, जिसने सोशल मीडिया और मनोरंजन जगत में हलचल मचा दी है। अभिनेत्री खुशी मुखर्जी के एक इंटरव्यू में दिए गए बयान के बाद सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर फैजान अंसारी ने कड़ा रुख अपनाया है। अंसारी ने मुखर्जी के खिलाफ 100 करोड़ रुपए का मानहानि का मुकदमा दायर किया है, यह आरोप लगाते हुए कि उनके दावों से न सिर्फ सूर्यकुमार यादव की छवि को नुकसान पहुंचा है, बल्कि यह सब सिर्फ पब्लिसिटी के लिए किया गया।

यह विवाद 13 जनवरी को सामने आया, जब खुशी मुखर्जी ने एक इंटरव्यू में दावा किया कि भारतीय क्रिकेटर सूर्यकुमार यादव उन्हें लगातार मैसेज करते थे। इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर बहस तेज हो गई। हालांकि मुखर्जी ने यह भी कहा था कि उनके और सूर्यकुमार यादव के बीच कभी कोई निजी या रोमांटिक संबंध नहीं रहा, लेकिन उनके बयान को लेकर सवाल उठने लगे।

मुंबई निवासी सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर फैजान अंसारी ने इस बयान को गंभीर मानते हुए कानूनी कार्रवाई का फैसला किया। उन्होंने उत्तर प्रदेश के गाजीपुर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। अंसारी का कहना है कि मुखर्जी के आरोप बेबुनियाद हैं और इससे एक राष्ट्रीय स्तर के क्रिकेटर की साख को ठेस पहुंची है। ईंट दर्ज कराने के लिए अंसारी खुद मुंबई से गाजीपुर पहुंचे, जिससे उनके इरादों की गंभीरता साफ झलकती है। अंसारी ने आरोप लगाया कि खुशी मुखर्जी ने जानबूझकर सूर्यकुमार यादव का नाम लिया ताकि उन्हें मीडिया कवरेज और सोशल मीडिया पर सुर्खियां मिल सकें। उनका कहना है कि इस तरह के बयान किसी भी खिलाड़ी की निजी और पेशेवर छवि को नुकसान पहुंचा सकते हैं। उन्होंने अभिनेत्री के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है और दावा किया है कि ऐसे मामलों में कड़ी सजा होनी चाहिए।

पत्रकारों से बातचीत में फैजान अंसारी ने बताया कि उन्होंने 100 करोड़ रुपये का मानहानि का केस दायर करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि उनकी कानूनी टीम पूरी तरह तैयार है और इससे पहले भी इसी तरह का मुकदमा दायर किया जा चुका है। अंसारी ने यह भी कहा कि सोशल मीडिया पर उनके लाखों फॉलोअर्स हैं और वह इस मुद्दे को व्यापक स्तर तक ले जाने की जिम्मेदारी निभाएंगे।

रुपए में लगातार तीसरे दिन गिरावट, डॉलर के मुकाबले कमजोर हुई भारतीय करेंसी?

मुंबई **(एजेंसी)**। रुपए में शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट आई और यह 50 पैसे टूटकर 90.84 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और विदेशी पूंजी की निरंतर निकसी से घरेलू मुद्रा पर दबाव बढ़ा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि अस्थिर वैश्विक रुख और अमेरिकी मुद्रा में मजबूती ने विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी को तेज कर दिया जबकि घरेलू निवेशकों ने निचले मूल्य पर शेयरों की खरीद की। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 90.37 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान 90.89 प्रति डॉलर के निचले स्तर पर पहुंच गया। अंत में यह डॉलर के मुकाबले 90.84 (अस्थायी) पर बंद हुआ जो बुधवार को बंद भाव से 50 पैसे की गिरावट है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.34 पर बंद हुआ था।

मुंबई में बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव के अवकाश के मद्देनजर बृहस्पतिवार को विदेशी मुद्रा बाजार बंद थे। मिराए एसेट शेयरखान के शोध विश्लेषक अनुज चौधरी ने कहा कि विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी और डॉलर के मजबूत होने से रुपया लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में टूटा। चौधरी ने कहा, ''व्यापार समझौते को लेकर बातचीत और भू-राजनीतिक तनाव को लेकर अनिश्चितता के बीच रुपये में गिरावट का अनुमान है। मजबूत डॉलर, पूंजी बाजारों से विदेशी निवेशकों की निकासी और कच्चे तेल की ऊंची कीमतें रुपए पर दबाव डाल सकती हैं।'' उन्होंने अनुमान लगाया कि डॉलर के मुकाबले रुपए का हाजिर भाव 90.50 से 91.25 के दायरे में रह सकता है।

प्रियंका चोपड़ा का धमाकेदार एक्शन अवतार समुद्री लुटेरों से टकराती दिखीं 'देसी गर्ल'

ग्लोबल आइकन प्रियंका चोपड़ा जोनस एक बार फिर बड़े पर्दे पर तहलका मचाने के लिए तैयार हैं। उनकी बहुप्रतीक्षित हॉलीवुड फिल्म 'द ब्लफ' का ट्रेलर रिलीज हो गया है, और इसे देखते ही प्रशंसकों के रोंगटे खड़े हो गए हैं। इस फिल्म में प्रियंका एक ऐसी भूमिका में नजर आ रही हैं, जो उन्होंने पहले कभी नहीं निभाई।

ट्रेलर की शुरुआत 19वीं सदी के कैरिबियन द्वीप समूह के खूबसूरत लेकिन खतरनाक दृश्यों से होती है। प्रियंका चोपड़ा इस फिल्म में एक पूर्व महिला समुद्री लुटेरे का किरदार निभा रही हैं, जो अपने अतीत को पीछे छोड़कर अपने परिवार के साथ शांति से रहने की कोशिश कर रही है। हालांकि, उसका अतीत उसका पीछा नहीं छोड़ता और जब उसके परिवार पर खतरा मंडराता है, तो वह फिर से तलवार उठाने पर मजबूर हो जाती है। ट्रेलर के साथ, मेकर्स ने फ़िल्म की रिलीज़ डेट भी बताई। दर्शक 25 फरवरी, 2026 से प्राइम वीडियो पर द ब्लफ़ देख पाएंगे। प्रियंका चोपड़ा जोनास और कार्ल अर्बन के अलावा, फ़िल्म में टेमुएरा मॉरिसन, इस्माइल क्रूज़ कॉर्डोवा, सफ़िया ओकले-ग्रीन, ज़ैक मॉरिस, डेविड फ़ील्ड और वेदांते नायडू मुख्य भूमिकाओं में हैं।

खास बात यह है कि इस फ़िल्म को द रूसो ब्रदर्स, प्रियंका चोपड़ा जोनास, माइकल डिस्को, एंजेला रूसो ओस्टोट और अन्य ने प्रोड्यूस किया है। वर्क फ्रंट की बात करें तो, प्रियंका चोपड़ा जोनास को आखिरी बार हेड्स ऑफ़ स्टेट में देखा गया था। वह महेश बाबू के साथ एसएस राजामौली की सबसे ज़्यादा इंतज़ार की जाने वाली फ़िल्म वाराणसी का भी हिस्सा हैं।

नूपुर सेनन की शादी में दिशा पटानी ने बटोरीं सुर्खियाँ, मिस्ट्री मैन के साथ हाथ थामे आईं नज़र, सोशल मीडिया पर चर्चा तेज़

एक्ट्रेस नूपुर सेनन और सिंगर स्टेबिन बेन की शादी के जश्न की तस्वीरें इंटरनेट पर छाई हुई हैं। जहाँ दूल्हा-दुल्हन अपनी नई शुरुआत के लिए बधाई पा रहे हैं, वहीं इस शादी के एक वीडियो ने बॉलीवुड गलियारों में नई चर्चा छेड़ दी है। यह चर्चा किसी और की नहीं बल्कि एक्ट्रेस दिशा पटानी और उनके साथ नज़र आए एक 'मिस्ट्री मैन' की है। दिशा पटानी और एक आदमी, जिसे कई लोग ऑनलाइन पंजाबी सिंगर तलविंदर मान रहे हैं, से जुड़ा एक छोटा सा पल सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया। इवेंट के क्लिप में दोनों को एक-दूसरे के करीब खड़े, हाथ पकड़े हुए और बाद में एयरपोर्ट से एक साथ निकलते हुए दिखाया गया। यह चर्चा तब और तेज़ हो गई जब दिशा पटानी की करीबी दोस्त मौनी रॉय ने सार्वजनिक रूप से तलविंदर के लेटेस्ट एल्बम की तारीफ की। हालांकि यह तारीफ पूरी तरह से प्रोफेशनल लग रही थी, लेकिन इसका समय, खासकर बढ़ती डेटिंग की अफवाहों के बीच, सिंगर को एक बार फिर सुर्खियों में ले आया। और कई लोग वही सवाल पूछ रहे हैं: आखिर तलविंदर कौन है, और वह अचानक हर जगह क्यों दिख रहा है?

नूपुर और स्टेबिन की शादी का एक छोटा वीडियो बड़े पैमाने पर सर्कुलेट हुआ है, जिसमें दिशा पटानी मुस्कुराती हुई और मेहमानों से बातचीत करती दिख रही हैं। जिस बात ने ध्यान खींचा, वह एक छोटा सा पल था जब वह अपने बगल में खड़े एक आदमी का हाथ पकड़े हुए दिखीं। सोशल मीडिया यूज़र्स ने तुरंत सोशल मीडिया पर उस 'रहस्यमयी आदमी' की पहचान तलविंदर के रूप में की, जो एक पंजाबी सिंगर है और अपनी पर्सनल लाइफ को प्राइवेट रखने और सार्वजनिक रूप से शायद ही कभी अपना चेहरा दिखाने के लिए जाना जाता है। हालांकि, इंडिया टीवी इस जानकारी को स्वतंत्र रूप से वेरिफाई नहीं कर पाया।

इस बीच, तलविंदर के सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में फॉलोअर्स हैं, इंस्टाग्राम पर 6.7 मिलियन फॉलोअर्स और यूट्यूब पर 2.45 मिलियन सब्सक्राइबर हैं। अपनी अपार लोकप्रियता के बावजूद, खासकर जेन जेड्स के बीच, फैंस ने बताया कि उन्होंने लगातार सुर्खियों से दूर रहना चुना है।

दिशा पटानी और तलविंदर दोनों में से किसी ने भी अब तक वायरल वीडियो या डेटिंग की अटकलों पर कोई कमेंट नहीं किया है।

आपको बता दें कि कृति सेनन की बहन नूपुर सेनन और स्टेबिन बेन की शादी में बॉलीवुड और म्यूजिक इंडस्ट्री के कई बड़े सितारे शामिल हुए थे। हालांकि, दिशा और तल्विंदर के इस संक्षिप्त लेकिन ध्यान खींचने वाले पल ने कुछ समय के लिए लाइमलाइट अपनी ओर खींच ली।